दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
बर्षः- 05
अंकः- 40
मुरादाबाद
31 May 2025
(Saturday)
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

दुश्मन कहीं भी हो हौंक दिया जाएगा, पीएम मोदी कानपुरिया अंदाज में पाकिस्तान पर बरसे

पीएम मोदी शुक्रवार को पटना से सीधे कानपुर पहुंचे। करीब सवा दो घंटे शहर में रहे। इस दौरान बटन दबाकर प्रदेश की 47,600 करोड़ की 15 बड़ी परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। जो संसाधन बड़े शहरों में होते हैं वो अब अपने कानपुर में भी दिखने लगे हैं पीएम मोदी ने कहा कि जो इंफ्रास्ट्रक्चर, जो सुविधाएं, जो संसाधन बड़ी-बड़ी मेट्रो सिटीज में होते हैं वो सब अब अपने कानपुर में भी दिखने लगे हैं। कानपुर मेट्रो इस बात का सबूत है कि अगर सही इरादों, मजबूत इच्छाशक्ति और नेक-नीयत वाली सरकार हो, तो देश और प्रदेश के विकास के लिए कैसे ईमानदारी से प्रयास होते हैं। जिस ब्रह्मोस ने दुश्मनों को सोने नहीं दिया, उसका नया पता है यूपी पीएम मोदी ने कहा कि भारत अपनी रक्षा जरूरतों के लिए आत्मनिर्भर हो, ये हमारी अर्थव्यवस्था के लिए तो जरुरी है ही। ये देश के आत्मसम्मान के लिए भी उतना ही जरुरी है। इसलिए हमने देश को उस निर्भरता से आजादी दिलाने के लिए आत्मनिर्भर भारत अभियान चलाया। उन्होंने कहा कि एक समय जहां से पारंपरिक उद्योग पलायन कर रहे थे। वहां अब डिफेंस सेक्टर की बड़ी कंपनियां आ रही हैं। यहां पास में ही अमेठी में,च203 राइफल का निर्माण शुरू हो चुका है। ऑपरेशन सिंदूर में जिस ब्रह्मोस मिसाइल ने दुश्मनों को सोने नहीं दिया, उस ब्रह्मोस मिसाइल का भी नया पता है-उत्तर प्रदेश। ब्रह्मोस मिसाइल ने दुश्मन के घर में घुसकर तबाही मचाई पीएम मोदी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में दुनिया ने भारत के स्वदेशी हथियारों और मेक इन इंडिया की ताकत भी देखी है। हमारे भारतीय हथियारों ने और ब्रह्मोस मिसाइल ने दुश्मन के घर में घुसकर तबाही मचाई है। उन्होंने कहा कि ये ताकत हमें आत्मनिर्भर भारत के संकल्प से मिली है। एक समय था, जब भारत सैन्य जरूरतों के लिए, अपनी रक्षा के लिए दूसरे देशों पर निर्भर था। हमने उन हालातों को बदलने को शुरुआत की।भारत ने आतंक के खिलाफ अपनी लड़ाई में तीन सूत्र स्पष्ट रूप से तय किए हैं पीएम मोदी 1 - भारत हर आतंकी हमले का करारा जवाब देगा, उसका समय, तरीका और शर्तें हमारी सेनाएं खुद तय करेंगी। 2 - भारत अब एटम बम की गीदड़भभकी से नहीं डरेगा और न ही उसके आधार पर कोई फैसला लेगा। 3 - आतंक के आका और आतंक की सरपरस्त सरकार को भारत एक ही नजर से देखेगा।पीएम मोदी ने कानपुरिया अंदाज में पाकिस्तान पर बोला हमला पीएम मोदी ने कहा कि भारत हर आतंकी का करारा जवाब देगा। उसका समय, जवाब देने का तरीका और जवाब देने की शर्तें हमारी सेनाएं खुद तय करेंगी। दूसरा भारत अब एटम बम की गीदड़भभकी से नहीं डरेगा और न ही उसके आधार पर कोई फैसला लेगा। आतंकियों के आका और आतंकी सरपरस्त सरकार को भारत एक ही नजर से देखा। अगर मैं सीधे-सीधे कनपुरिया में कहूं तो दुश्मन कहीं भी हो हौंक दिया जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है, दुश्मन किसी धोखे में न रहे पीएम मोदी पीएम मोदी ने कहा कि विकास का यह कार्यक्रम 24 अप्रैल को होने वाला था, लेकिन पहलगाम हमले के कारण कार्यक्रम रद्द करना पड़ा। इस हमले का शिकार कानपुर के शुभम भी हुए। वह पीड़ा, कष्ट और भीतर का आक्रोश हम सब महसूस कर सकते हैं। हमारी बेटियों-बहनों का वही आक्रोश ऑपरेशन सिंदूर के रूप में पूरी दुनिया में देखा। हमने पाकिस्तान में आतंकी ठिकाने सैंकड़ों मील अंदर घुसकर तबाह कर दिए। हमारी सेना ने ऐसा पराक्रम किया कि पाकिस्तानी सेना को गिड़गिड़ाकर युद्ध रोकने की मांग करने के लिए मजबूर होना पड़ा। मैं सेना के शौर्य और पराक्रम को बार-बार सैल्यूट करता हूं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जो दुश्मन गिड़गिड़ा रहा था, वह दुश्मन किसी धोखे में न रहे। ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है।भारत माता की जय के साथ पीएम ने संबोधन की शुरुआत की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की जय के साथ संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्याथ, दोनों उपमुख्यमंत्रियों और कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों का धन्यवाद किया है। कार्यक्र में पेंटिंग बनाकर लाए लोगों को लेकर एसपीजी के लोगों से कहा कि उनको ले लें और लोगों से कहा कि पेंटिंग लाए हुए लोग अपना पता उस पर लिख दें मैं चट्ठी भेजूंगा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बटन दबाकर प्रदेश की 47,600 करोड़ की 15 बड़ी परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरी झंडी दिखाकर कानपुर मेट्रो रेल परियोजना के द्वितीय चरण का शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई विकास परियोजनाओं के शिलान्यास और उद्घाटन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी ने सरकार की उपलब्धियों और आज के कार्यक्रम के बार में जानकारी दी। शुक्रवार को कानपुर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चकेरी एयरपोर्ट पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए शुभम द्विवेदी के परिजनों से मिले। शहीद शुभम द्विवेदी के पिता संजय द्विवेदी, मां सीमा द्विवेदी और पत्नी ऐशान्या मौजूद रहे। युद्ध नहीं हो रहा... ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत में भारत ने यह स्टैंड रखा था। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार में जनसभा के मंच से बता दिया कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान के एयरबेस और उनके सैन्य ठिकाने तबाह कर दिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली बार यह एलान किया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी सेना को भी सीधा टारगेट किया गया था। उन्होंने कहा कि पहलगाम में जघन्य आतंकी हमले के एक दिन बाद बिहार आया था तो बिहार की धरती से देश को वादा किया था आतंक के आकाओं के ठिकानों को मिट्टी में मिला दिया जाएगा। उन्हें कल्पना से भी बड़ा सजा होगी। जिन लोगों ने पाकिस्तान में बैठकर हमारी बहनों का सिंदूर उजाड़ा था, हमारी सेना ने उनके ठिकानों को खंडहर में बदल दिया है। पाकिस्तानी सेना की छत्रछाया में आतंकी खुद को सुरक्षित मानते थे। हमारी सेना ने एक ही झटके में उनको भी घुटनों पर ला दिया। पाकिस्तान के एयरबेस, उनके सैन्य ठिकाने हमने कुछ ही मिनट में तबाह कर दिए।राम की रीति ही नए भारत की नीति बन गई बिहार के रोहतास जिले के विक्रमगंज में पीएम मोदी की सभा थी। जिला मुख्यालय सासाराम है। सासाराम का नाम लेते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इसके तो नाम में ही राम है। राम राज्य में यह रीति थी- प्राण जाए पर वचन न जाए। राम की रीति अब नए भारत की नीति बन गई है। उन्होंने आगे इस बात को और साफ करते हुए कहा- पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था। जघन्य आतंकी हमले के एक दिन बाद बिहार आया था तो बिहार की धरती से देश को वादा किया था। वचन दिया था। बिहार की धरती पर आंख में आंख मिलाकर कहा था कि आतंक के आकाओं के ठिकानों को मिट्टी में मिला दिया जाएगा। उन्हें कल्पना से भी बड़ा सजा होगी। भारती की रक्षा बीएसएफ के जवानों के लिए सर्वोपरि है। 10 मई को देश की सीमा की रक्षा करते हुए इम्तियाज शहीद हो गए थे। मैं उन्हें आदरपूर्वक श्रद्धांजलि देता हूं। आज बिहार की धरती से फिर दोहराना चाहता हूं कि ऑपरेशन सिंदूर में लड़ाई देश के दुश्मनों से है, चाहे वह सीमा पार हों या भीतर हों- उन्हें बख्शा नहीं जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री से चकेरी एयरपोर्ट पर मिला शुभम का परिवार, ऑपरेशन सिंदूर के लिए दिए धन्यवाद

पहलगाम हमले के शहीद शुभम द्विवेदी के परिजनों से पीएम मोदी की मुलाकात बेहद भावुक रही। पीएम मोदी ने आश्वासन दिया कि आतंकवाद के समूलनाश तक लड़ाई जारी रहेगी।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चकेरी एयरपोर्ट पर पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए शुभम द्विवेदी के परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान शहीद शुभम द्विवेदी के पिता संजय द्विवेदी, मां सीमा द्विवेदी और पत्नी ऐशान्या मौजूद रहीं। उन्हें नरवल के उपजिलाधिकारी श्यामनगर स्थित घर से अपने वाहन से चकेरी एयरपोर्ट लेकर पहुंचे थे।शुभम के चाचा ज्योतिषाचार्य पंडित मनोज कुमार द्विवेदी ने बताया कि शासन से शुभम के पिता संजय द्विवेदी, मां सीमा द्विवेदी और पत्नी ऐशान्या को प्रधानमंत्री से मिलने की अनुमति मिली थी। यह मुलाकात बहुत भावुक रही। प्रधानमंत्री जी ने आश्वासन दिया कि आतंकवाद के समूलनाश तक लड़ाई जारी रहेगी।ऑपरेशन सिंदूर कार्रवाई के लिए आभार व्यक्त किया उन्होंने ऐशान्या के सिर पर हाथ फेरा और सांत्वना दी। इसके बाद घटना की जानकारी ली। सभी लोग बहुत भावुक माहौल में रहे। प्रधानमंत्री जी ने कहा जल्द आपके परिवार से दोबारा मुलाकात होगी। कहा यह आपके परिवार की नहीं पूरे देश की क्षति है। इस दौरान परिवार ने ऑपरेशन सिंदूर कार्रवाई के लिए प्रधानमंत्री जी का आभार व्यक्त किया।

यात्रियों से भरी बस पलटी, पांच लोगों की मौत, 15 घायल, पांच की हालत गंभीर;सीएम ने जताया शोक

उत्तर प्रदेश के जौनपुर में शुक्रवार की सुबह दर्दनाक हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। 45 यात्रियों को लेकर बस शिवगुलामगंज हाईवे पर पहुंची, तभी डिवाइडर से टकरा गई। दर्दनाक हादसे की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने लाशों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायलों का उपचार जारी है।जौनपुर के बक्शा थाना क्षेत्र के शिवगुलामगंज हाईवे पर हिम्मत बस सर्विस की प्राइवेट बस जौनपुर जा रही थी। डिवाइडर से टकराकर अनियंत्रित होकर बस पलटने से पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं, 15 लोग घायल हो गए। घटना से मौके पर अफरा-तफरी मच गई।जानकरी के अनुसार, हादसा सुबह 8.40 बजे हुआ। बस जौनपुर शहर की तरफ जा रही थी। अपनी लेन से दूसरी पटरी पर जाते समय हादसा हुआ। सूचना पर पहुंचे थानाध्यक्ष विक्रम लक्ष्मण सिंह ने थाने की पुलिस और गांव वालों की मदद से घायलों को निकालकर अस्पताल भिजवाया।हादसे में पांच यात्रियों, जिसमें दो पुरुष और तीन महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 15 यात्री घायल हुए हैं, वहीं पांच की हालत गंभीर है। सूचना पर पुलिस अधीक्षक जौनपुर डॉ. कौस्तुभ कुमार, एडिशनल एसपी ग्रामीण तपिश कुमार सिंह, सीओ सदर परमानंद कुशवाहा मौके पर पहुंचकर जानकारी ली। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया गया। बस में 45 यात्री सवार थे। पांच की हालत गंभीर होने पर जिला चिकित्सालय भेजा गया।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी जौनपुर में हुए सड़क हादसे का संज्ञान लिया है। उन्होंने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने और घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। साथ ही, घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है।

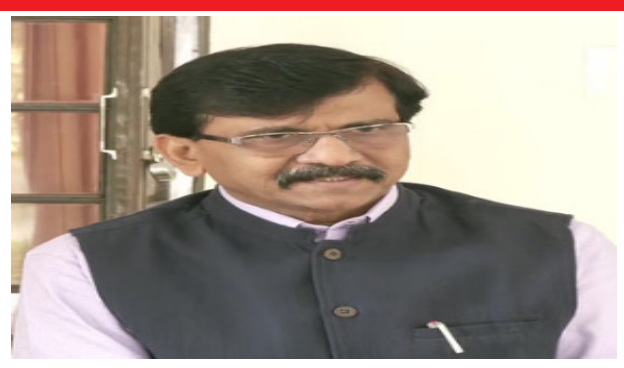

संजय राउत ने पीएम मोदी पर बोला हमला, कहा- ऑपरेशन सिंदूर का राजनीतिकरण कर रहे हैं प्रधानमंत्री

शिवसेना (UBT) के सांसद संजय राउत ने आरोप लगाया कि पहलगाम के छह आतंकी अभी भी फरार हैं। उनको नहीं पकड़ा जा रहा है। हो सकता है कि एक दिन आपको भाजपा कार्यालय से एक प्रेस नोट मिल जाए कि वे छह लोग भाजपा में शामिल हो गए हैं। शिवसेना (UBT) के सांसद संजय राउत ने शुक्रवार को पीएम नरेंद्र मोदी पर हमला बोला। राउत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑपरेशन सिंदूर का राजनीतिकरण कर रहे हैं। वे हर राज्य में जाकर ऑपरेशन सिंदूर की राजनीति कर रहे हैं। जबकि यह ऑपरेशन हमारे जवानों ने किया। लेकिन इसका श्रेय लेने की होड़ है। प्रधानमंत्री इसमें सबसे आगे रहते हैं। कोई भी जाकर किसी को सिंदूर की पवित्र व्यवस्था नहीं दे सकता। अगर आप भाजपा कार्यकर्ताओं को महिलाओं के पास भेजते हैं तो आप सिंदूर का अपमान कर रहे हैं। संजय राउत ने आरोप लगाया कि पहलगाम के छह आतंकी अभी भी फरार हैं। उनको नहीं पकड़ा जा रहा है। हो सकता है कि एक दिन आपको भाजपा कार्यालय से एक प्रेस नोट मिल जाए कि वे छह लोग भाजपा में शामिल हो गए हैं। उन्होंने एलान किया कि विपक्ष एक बार फिर आगे आ रहा है और हम राहुल गांधी के नेतृत्व में एक विशेष सत्र के लिए सभी के हस्ताक्षर वाला एक पत्र दे रहे हैं। कांग्रेस ने की थी संसद सत्र बुलाने की मांग इससे पहले कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की थी। उन्होंने कहा था कि 22 अप्रैल की रात से ही कांग्रेस पहलगाम आतंकी हमले और उसके परिणामों पर प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग कर रही है।

ऐसा अभी तक नहीं हुआ है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि इसके बाद 10 मई को लोकसभा में विपक्ष के नेता और राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर संसद का विशेष सत्र बुलाने और एक प्रस्ताव के माध्यम से राष्ट्र के सामूहिक संकल्प को प्रदर्शित करने का अनुरोध किया। प्रधानमंत्री ने उस सुझाव को भी स्वीकार नहीं किया।

प्रधानमंत्री मोदी से मिलकर भावुक हो गईं ऐशन्या, बोलीं- ऐसा लगा जैसे किसी बड़े ने सिर पर हाथ रख दिया हो

एयरफोर्स स्टेशन में पहलगाम हमले में शहीद शुभम द्विवेदी के परिजनों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुलाकात की। 'शहीद शुभम द्विवेदी की पत्नी ऐशन्या ने कहा कि ऐसा लगा जैसे किसी बड़े ने सिर पर हाथ रख दिया हो...प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करके मैं बहुत भावुक हो गई।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एयरफोर्स स्टेशन में पहलगाम हमले में शहीद शुभम द्विवेदी के परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान उनके पिता संजय द्विवेदी और मां सीमा भी मौजूद रहीं। यह मुलाकात भावुक माहौल में हुई, जहां प्रधानमंत्री ने शहीद के परिवार को ढांढस बंधाया और उनके साहस व बलिदान को श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री ने ऐशन्या से बातचीत करते हुए उनका हालचाल जाना और कहा कि देश को आपके पति पर गर्व है, उनका बलिदान हमेशा याद रखा जाएगा। सरकार आपके साथ है। उन्होंने घटना पर दु:ख भी जताया हैं। मुलाकात के वक्त माहौल गमगीन हो गया और मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं। परिजनों ने प्रधानमंत्री का आभार जताया और अपनी बात साझा की।किसी बड़े ने सिर पर हाथ रख दिया शहीद शुभम की पत्नी ऐशन्या ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद अपने भावुक मन की बात साझा की। उन्होंने कहा कि ऐसा लगा जैसे किसी बड़े ने सिर पर हाथ रख दिया हो... प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करके मैं बहुत भावुक हो गई। प्रधानमंत्री से हुई इस मुलाकात को ऐशन्या ने एक आत्मीय और संबल देने वाला क्षण बताया। गर्व और भावुकता से भरा पल था उन्होंने कहा कि देश के सबसे बड़े नेता का इस तरह आकर हालचाल पूछना उनके लिए गर्व और भावुकता से भरा पल था। ऐशन्या ने बताया कि पीएम मोदी ने आपरेशन सिंदूर अभी जारी रखने की बात कहीं है। साथ ही, आतंक के खिलाफ लड़ाई जारी रहने के लिए भी कहा।

संपादकीय Editorial

Greenery from urban windows

The need to bind Himachal in rules is necessary for the future in the eyes of every department, yet the content of the court of decisions here is lost in the pasture of elections. People become the veneer of every need in the nuisance and product of urban lifestyle, but do not want to come under the framework of necessary rules for monitoring the future. Villages are being ruined by cities, fields by buildings, encroachment by rivers and streams, mountains by JCBs and haphazard development is ruining the environment. In such a situation, if the talk is about TCP, then it has to be considered. Outside the limits of the Town and Village Planning Act, Himachal's stature has increased everywhere, but the civil society has mortgaged the feeling of community responsibility somewhere. In a strange competition, where Himachal is standing in the new Himachal today, the tone of the mountain is clashing with the expectations of the mountain. The exercise of development in the tone of need in expectations and the desire to achieve something in the future are so much that now we have to think about greenery. We have to think where did we leave the old one while building the new Manali. How much concrete could we fill in the arms of Dalhousie and Kasauli or from which window should we come to McLeodganj and search for the past. Anyway, to make the duty of the concerned department stand in front of new challenges wearing the skin of such questions, TCP Minister Rajesh Dharmani has started new efforts. Under these, work will be done on underlining urban and rural development in the geographical structure that is changing the norms, meaning and intention of urban development projects, that is, ensuring green belt area. After Shimla, the bells of green belt area will be tied to the feet of urban development of Kullu and Dharamshala so that the rising layers of concrete can rest somewhere. If the department moves forward with this objective, then the breath of the city will remain intact in the code of conduct of construction. The reason for construction beyond capacity is many kinds of needs, ambitions and expansion of economic opportunities. It is important to understand the meaning of TCP law in every aspect of Himachal's geographical, economic, social and honorable progress. If we think like a crowd, then markets come up on all the roads. If we try to exploit the potential of the city in the form of economic development, then the mountain collapses and a mountain of construction rises towards the valleys. In the name of tourism, we have brought religious cities into narrow lanes, and by hunting hill stations and clearing greenery, we have brought a vulgar and horrifying scene closer. If new cities were discovered in urban development, then the frenzy of settling in modern cities would not have caused mischief. Even today, if a city of two-and-a-half lakh population is settled around Una, then the uproar of the collapsing mountain will stop. It is surprising that years later, the proposed map of satellite cities near Shimla and Dharamshala was understood as just a land. Of course, there should be restrictions on construction on the green belt, but the entire Himachal will have to be understood under the TCP law. If every square and intersection of Himachal is moving ahead in the competition to become a commercial city and someone's Chaubara is being built on the farm of the village, then greenery is needed from there to the protection of rivers and streams. Now the time has come to teach the whole of Himachal the limits of development and construction under TCP. We should create at least half a dozen development authorities in the state and link two-three cities together to develop the future.

India taught a lesson to cross-border terrorism, now what is the challenge after Operation Sindoor

Operation Sindoor Whatever you may call the end of military confrontation between India and Pakistan, even after a fortnight of that, various kinds of stories are floating around. The campaign to tell one's own stories as true continues. People are also giving them recognition according to their interest and inclination. Mushroom clouds are generally related to nuclear explosions. Recently, there were speculations about targeting of nuclear installations during Operation Sindoor. Amidst these speculations, there was definitely an explosion of fake information, propaganda and even rumours spread by a section of the media. Whatever you may call the end of military confrontation between India and Pakistan, even after a fortnight of that, various kinds of stories are floating around. The campaign to tell one's own stories as true continues. People are also giving them recognition according to their interest and inclination. While there were repeated attacks and counter-attacks on both sides of the border, a sudden post by US President Donald Trump appeared that he had put an end to the ongoing confrontation between the two countries. There were speculations and conjectures about what happened behind the scenes that suddenly such a situation arose. It is possible that the truth may never come out amid such claims and counter-claims. Despite this, a frenzy of creating one's own narrative was witnessed. During this time, the international media naturally showed its 'convenient' ideological intention. This 'convenient' should be read and understood as anti-India. If seen, Pakistan's challenges on the communication front were much easier than India. Since the army has control over setting the framework of the discussion like every other aspect, it was left to declare victory. Even if for this, it had to fabricate a fake story of Rafale being shot down. It fabricated it and it was also served to its fanatic public and similar people spread across the world. Meanwhile, it tried to give credence to its imaginary narrative by giving the rank of Field Marshal to the Army Chief. Even ceremonies and banquets were organized to celebrate this 'victory', in which the photographs used turned out to be fake. India's task in this case was much more complicated. For the first three days, the flow of information was handled with exemplary patience and skilful management. Then suddenly the announcement of ceasefire by the whimsical US President and the claim of American role in mediation came as a surprise. This stunned the Indian power establishment, as it had to clarify that there was no third party interference in this. For decades, India's policy in the context of Pakistan has been that there is no place for third party interference. Even ordinary Indians, who had believed that this time cross-border terrorism would be taught such a lesson that it would not dare to raise its head again, were left speechless. The public was hoping for a long-term solution. It is clear that the government lost a bit on the perception front. The nature of suspicion is embedded in the DNA of Indians and they are more concerned about what the rest of the world thinks of us. This is the reason why Indians are very demanding about their international image and are open to internal criticism. The colonial past also has a role in this. When suspicions are raised by opposition parties and their ecosystem, it resonates somewhere in the minds of the people. Sensing this, the government decided to send delegations of MPs and experts across the world so that they can present India's side at the global level. It can be clearly understood that Operation Sindoor was a much bigger military action than the surgical strike and air strike. In this, India not only attacked inside Pakistan, but also set an amazing example in terms of defense. Until the events behind the alleged ceasefire are revealed, horses of imagination will continue to run. It will also be at the center of speculation whether India caused any damage to Pakistan's nuclear arsenal or attacked it near it. Whatever it may be, it cannot be ignored that during Operation Sindoor, India was not able to turn the global public opinion in its favour as expected. No major superpower was seen standing openly with India, while Pakistan was clearly seen to have the support of China, Turkey and Azerbaijan. Trump's claim that 'he used trade as the basis for peace' cannot be believed because India has not cared about US sanctions in the past, while Pakistan has nothing to worry about trade. The approval of loan from IMF for Pakistan also indicates with whom the West sympathized. Apart from America, China, Pakistan and other countries must have been aware of the strategic capabilities India has acquired, but they may not have thought about how capable it is in using them. If the standoff with Pakistan had dragged on for a few more days, India's power and superiority would have been established more assertively, which would have changed the regional geopolitical equations. Naturally, some superpowers would not have liked this. The real issue here is related to India's rise as an economic power. Along with this, if it emerges militarily strong, it will be impossible to stop it. Developed countries are not ready to accept this truth yet. It remains to be seen how Modi deals with this biggest challenge. It is possible that he chose the option of ceasefire for the time being to fulfill the long term goal of a developed India. He preferred discretion over bravery. After all, to win a big war, some small battles have to be ignored.

The scary truth of Murshidabad violence, Bangladesh-like conditions are being created for Hindus in Bengal

The report on Murshidabad violence is enough to scare anyone. If such horrific violence had taken place against a community in any state three decades ago, the government there would have been dismissed. Now this is difficult because the Supreme Court can declare the imposition of President's rule in the state unconstitutional. The report on Murshidabad violence by the fact-finding committee constituted by the Calcutta High Court is enough to scare anyone. After this report, all the allegations were confirmed. Before this report, the Bengal Police had also submitted its report to the High Court. It was written in it, 'On April 11, at around 4.25 pm, the crowd became uncontrolled... the police was attacked with bricks, stones and deadly weapons. The rioters snatched the pistol of SDPO Jangipur and set his vehicle and public properties on fire.' It is worth noting that in the report of the High Court committee, the police has been put in the dock the most. The High Court had constituted a three-member committee comprising one member each from the National Human Rights Commission, West Bengal Human Rights Commission and State Legal Services Authority. The report of this committee states that the violence was against Hindus and was well planned. A Muslim leader and councillor of Trinamool led the violence. People sought help from the police, but it neither tried to stop the violence nor to provide security to the people. If such horrific violence had taken place against a community in any state three decades ago, the government there would have been dismissed. Now this is difficult because the Supreme Court can declare the imposition of President's rule in the state as unconstitutional. Perhaps that is why the Governor of Bengal in his report had suggested the Centre to consider constitutional options, but in case the situation worsens, he had written that Article 356 (President's rule) was an option and that it was not needed right now. Despite the painful ordeal of the women and children who were victims of horrific violence, Mamata Banerjee did not utter a single word of sympathy in the beginning. She, her ministers, spokespersons etc. were all calling it a conspiracy of the BJP and were also blaming the BSF. As per the rules, the BSF should have filed an appeal in the High Court. On what basis did the Chief Minister make such a serious allegation? According to the report of the High Court committee, Hindus were deliberately targeted under the pretext of protests against the new Waqf Amendment Act. 113 houses were burnt in Betbona village. The report states, 'A rioter also came to the village to see which houses were not attacked and then the mob set fire to those houses as well.' The village was burnt, but the police-administration remained inactive. The violent mob cut the water connection so that the fire could not be extinguished. The most horrifying thing was that women's clothes were burnt so that they were left with no clothes to wear. The report also states, 'The people of the village who were victims of violence called the police for two consecutive days, but the phone was not picked up.' The victims who had fled to Malda to take shelter were forced to return by the police. It is clear that the government must have put pressure on the police administration to forcibly call back those who had fled to save their lives, because the government is being ridiculed. The way the report has put the police administration in the dock, it is not worth raising its head. The report also says that the administration did not help anyone in the violence-hit areas. The report states that 'the attacks were directed by the local councillor. We cannot ignore the fact that attacks have taken place on Hindu festivals in Bengal before this as well. In the post-assembly election violence too, those who voted against the Trinamool had to flee to Assam to escape the violent mob. According to the High Court committee, those who commit violence against non-Muslims in Bengal get the support of the police. In Murshidabad too, the police turned a blind eye to the incident and in a way gave a free hand to the violent mob. The High Court Committee report, referring to the murder of Hargobind Das and his son Chandan Das in the Jafrabad area, says, "The violent mob broke the main door of their house and took the father and son and attacked them with an axe on their back. A murderer waited there till they died." The fault of the father and son was that they used to make idols of gods and goddesses. What kind of dangerous thinking is this that the idol maker becomes an enemy. The Governor who went to Murshidabad after the violence had said in his report that there is a double danger in the districts of Murshidabad and Malda bordering Bangladesh, because the Hindu population here is a minority. He had also described North Dinajpur as unsafe for Hindus. In a way, the situation in some areas of Bengal is becoming like that in Bangladesh and where it is difficult for Hindus to live. We have limited options to save the Hindus of Bangladesh, but the central government must do something in Bengal. Also note that the so-called secular parties did not say anything about the horrific violence in Murshidabad either then or after the High Court report came out.

प्लॉट के गेट पर फंदे से लटका मिला शव...परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

मुरादाबाद- मझोला थाना क्षेत्र की रामनगर कॉलोनी में शुक्रवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब एक किसान का शव एक प्लॉट की बाउंड्री के गेट पर फांसी के फंदे से लटका मिला। मृतक की पहचान भूप किशोर सैनी के रूप में हुई है। परिजनों ने इसे आत्महत्या नहीं, बल्कि सुनियोजित हत्या करार दिया है और स्थानीय दबंगों पर आरोप लगाए हैं। परिवार के अनुसार भूप किशोर सैनी रोजाना की तरह खेत की ओर गए थे। सुबह लगभग 5 बजे पुलिस और कुछ अन्य लोग परिजनों को उठाकर घटनास्थल पर लेकर गए। वहां परिजन देखकर दंग रह गए, जब उन्होंने देखा कि भूप किशोर का शव विनीत शर्मा और राजेन्द्र देवी के प्लॉट के गेट पर रस्सी के फंदे से लटका हुआ था। खास बात यह रही कि गेट बाहर से ताले में बंद था, जिसकी चाबी पुलिस को पड़ोसी नंदन (लोको पायलट, रेलवे विभाग) से प्राप्त हुई।पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में ताला खोलकर शव को नीचे उतारा और फॉरेंसिक टीम को जांच के लिए बुलाया गया। मृतक के पुत्र सूरज सैनी ने बताया कि बीती 10 मई को विनीत शर्मा, राजेन्द्र देवी, उनके पुत्र पिंटू, वार्ड पार्षद राहुल देव, प्रकाश नगर पार्षद राजेश गुप्ता और बीजेपी नेता दिनेश सिसोदिया ने प्लॉट के गेट को जबरन उत्तर दिशा में खुलवाया था, जबकि प्लॉट की रजिस्ट्री में दक्षिण दिशा में रास्ता निर्धारित था। आरोप है कि विरोध करने पर विनीत शर्मा ने भूप किशोर सैनी को धमकी दी थी कि जो कर सको, कर लेना। परिजनों का कहना है कि आज वही धमकी सच साबित हुई। सूरज सैनी का यह भी आरोप है कि इन लोगों द्वारा उनके पिता को लगातार जान से मारने की धमकियां दी जा रही थीं। इस बाबत बीती 18 मई को 112 नंबर पर शिकायत भी की गई थी, लेकिन पुलिस की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। परिजनों ने बीजेपी नेताओं पर आरोप लगाते हुए कहा कि यदि समय रहते पुलिस ने कार्यवाही की होती तो आज भूप किशोर सैनी की जान बचाई जा सकती थी। उन्होंने विनीत शर्मा, राजेन्द्र देवी, पिंटू, राहुल देव, राजेश गुप्ता और दिनेश सिसोदिया पर हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। वहीं, पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। फॉरेंसिक टीम की रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मुरादाबाद में भी पत्नी के सताए: फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों अकेले नहीं, यूपी में सामने आ रहे पिटाई के यह केस

मुरादाबाद- फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों का वीडियो वायरल हुआ जिसमें उनकी पत्नी ब्रिजिट उन्हें धक्का देती नजर आईं। सोशल मीडिया पर इसे लेकर घरेलू विवाद जैसी प्रतिक्रियाएं आईं। इस बीच मुरादाबाद में बीते दो वर्षों में 100 से अधिक पुरुषों ने पत्नी द्वारा पिटाई और प्रताड़ना की शिकायत की है। हाल ही में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें उनकी पत्नी ब्रिजिट उनका मुंह पकड़कर धकेलती हुई नजर आ रही हैं। इस वीडियो ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया, जिस पर लोग तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।कई लोगों ने इसे थप्पड़ बताया तो कई ने घरेलू कलह व नोकझोंक की बात कही। मुरादाबाद में भी ऐसी कई घटनाएं हुई हैं, जिनमें युवकों ने अपनी पत्नी पर पिटाई के आरोप लगाए। पिछले दो साल के भीतर पत्नी व ससुरालियों द्वारा की गई पिटाई व प्रताड़ना से तंग आकर जिले के 100 से अधिक लोगों ने नारी उत्थान केंद्र और कोर्ट में प्रार्थनापत्र दाखिल किए। हालांकि, राष्ट्रपति मैक्रों ने घटना पर कहा कि हम दोनों सिर्फ मजाक कर रहे थे और लोग इसे बहुत बड़ा बना रहे हैं, लेकिन मुरादाबाद में पतियों ने पत्नी द्वारा की गई पिटाई को स्वीकार किया और कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। केस-1- पत्नी की पिटाई से तंग आकर कोर्ट में दाखिल किया प्रार्थनापत्र सिविल लाइन क्षेत्र निवासी सरकारी विभाग के एक संविदा कर्मचारी ने बताया कि 12 मार्च 2022 को उनकी शादी मझोला क्षेत्र में रहने वाली युवती से हुई थी। शादी के बाद से ही पत्नी ने उनका उत्पीड़न करना शुरू कर दिया था। उन्होंने बताया कि पत्नी उनके साथ मारपीट करती थी। इससे वह काफी परेशान थे। उनकी पत्नी कम सैलरी के ताने देने के साथ ही घर का कामकाज करना बंद कर दिया था। इसके अलावा पत्नी मां-बाप के साथ आए दिन अभद्रता करने लगी थी। मोबाइल पर अंजान लोगों से बात करती थी और जब इसकी शिकायत मायके वालों से की तो उन्होंने भी अपनी बेटी का साथ दिया। युवक ने बताया कि पत्नी से तंग आकर कोर्ट में प्रार्थनापत्र दाखिल किया है और तलाक के साथ कार्रवाई की गुहार लगाई है। केस-2- पत्नी ने डॉक्टर पर दर्ज कराए छह मुकदमे दिल्ली एम्स से एमबीबीएस की पढ़ाई करने वाले एक डॉक्टर सरकारी अस्पताल में कार्यरत हैं। उन्होंने दो साल पहले मझोला क्षेत्र में रहने वाली युवती के साथ प्रेम विवाह किया था। उन्होंने बताया कि शादी के कुछ दिन बाद ही पत्नी ने उन्हें परेशान करना शुरू कर दिया। रुपये की मांग करने लगी और टोकने पर धमकाने लगी। कई बार रुपये दिए, लेकिन उसकी डिमांड बढ़ती चली गई। पत्नी समय-समय पर मारने की धमकी भी देती थी। डॉक्टर ने बताया कि पत्नी ने उनके खिलाफ अब तक छह केस दर्ज करा दिए हैं। बार-बार कोर्ट में तारीख पर आना पड़ता है। उन्होंने बताया कि कुछ लोगों के साथ मिलकर पत्नी ने 40 लाख रुपये की मांग की है। केस-3- पत्नी और उसके मायके वालों ने की मारपीट, नारी उत्थान केंद्र में दिया प्रार्थनापत्र नागफनी क्षेत्र में रहने वाले एक प्राइवेट कंपनी के कर्मचारी की शादी तीन साल पहले उत्तराखंड के काशीपुर निवासी युवती के साथ हुई थी। उन्होंने बताया कि शादी के बाद 10 दिन ही पत्नी उसके साथ रही। इसके बाद वह अपने मायके चली गई। कई बार पत्नी को बुलाने गया, लेकिन उसने आने से इन्कार कर दिया। इस बीच पत्नी ने उनके खिलाफ दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज करा दिया। युवक ने बताया कि जब वह पत्नी को बुलाने गए तो पत्नी और उसके मायके वालों ने उनके साथ मारपीट की। उन्होंने पत्नी को बुलाने के लिए नारी उत्थान केंद्र में प्रार्थनापत्र दिया। इस मामले को लेकर जब कई बार काउंसिलिंग की तारीख लगी तो पत्नी और उसके मायके वाले तारीख पर नहीं आए। इसके बाद नारी उत्थान ने युवक को कोर्ट में प्रार्थनापत्र दाखिल करने की सलाह दी। सार्वजनिक स्थान पर महिलाएं पुरुषों के साथ गलत व्यवहार कर नारी सशक्तीकरण की अवहेलना कर रही हैं। महिलाओं को पुरुषों के समकक्ष आने के लिए नारीवादी आंदोलन चलाया गया है न कि पुरुषों पर आधिपत्य स्थापित करने के लिए। महिलाओं को पुरुषों के साथ इस तरीके का व्यवहार नहीं करना चाहिए। - प्रो. रमाकांत ठाकुर, प्रभारी, समाजशास्त्र विभाग, हिंदू कॉलेज।

मुरादाबाद में बीते 329 दिन बवाल और हिंसा का खतरा, महज 37 दिन ही रहा अमर-चैन,छोटे-बड़े 125 से जुलूस निकले

मुरादाबाद- पीतल नगरी मुरादाबाद में 28 मई 2024 से 28 मई 2025 के बीच छह बार धारा 144 लागू की गई। शहर में साल के 329 दिन बवाल या हिंसा की आशंका बनी रही। हालांकि इस दौरान कोई बड़ी घटना नहीं हुई। त्योहारों, जुलूसों और रैलियों के कारण मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में तनाव की संभावना को देखते हुए प्रशासन एहतियातन धारा 144 लागू करता रहा। देश दुनिया में पीतल की चमक बिखेरने वाले जिगर के शहर मुरादाबाद में साल के 329 दिन बवाल और हिंसा का खतरा रहा।

यही वजह है कि 28 मई 2024 से 28 मई 2025 तक शहर में छह बार धारा 144 लागू की गई। साल में सिर्फ 37 दिन ही बवाल की आशंका नहीं रही। हालांकि, पिछले एक साल में शहर में बवाल जैसी कोई बड़ी घटना नहीं हुई।मुरादाबाद में विभिन्न अवसरों पर छोटे-बड़े 125 से ज्यादा जुलूस निकाले जाते हैं। इसमें त्योहारों और जयंतियों पर निकाले जाने वाले संस्थाओं के जुलूस शामिल हैं। इसके अलावा राजनीतिक दलों की रैलियां और संस्थाओं के स्थापना दिवस पर कुछ जुलूस निकाले जाते हैं। यह जुलूस मिश्रित आबादी के बीच से गुजरते हैं। पूर्व में कई जुलूसों के समय छोटी-बड़ी घटनाएं हो चुकी हैं।ऐसे में इन घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए प्रशासन अलर्ट रहता है। त्योहारों और जुलूसों के दौरान शहर में अमन चैन बनाए रखने के लिए प्रशासन समय-समय पर धारा 144 लागू करता है। 28 मई 2024 से 28 मई 2025 के बीच छह बार ऐसे मौके आए, जब शहर में धारा 144 लागू की गई।इनकी अवधि 48 से 59 दिन रही। साल के 366 दिनों में सिर्फ 37 दिन ही ऐसे रहे, जब शहर में किसी हिंसा या बवाल का खतरा नहीं रहा। यह 37 दिन बिना धारा 144 के गुजरे। फिलहाल बकरीद को देखते हुए शहर में सात जून तक धारा 144 लागू की गई है।

पेट में सोने के कैप्सूल कांड में नया खुलासा: जुल्फेकार 45 और अजहरुद्दीन 10 बार गया दुबई, कई किलो सोना लेकर आए

मुरादाबाद- दुबई से लौटे चारों तस्करों के पेट से सोने के कुल 29 कैप्सूल निकले, जिनका वजन एक किलो 100 ग्राम से अधिक है। जैसे-जैसे पुलिस की जांच आगे बढ़ रही है, इस मामले में चौंकाने वाले तथ्य सामने आ रहे हैं। पुलिस ने सोना तस्करों की ट्रेवल हिस्ट्री खंगालनी शुरू कर दी। सोना तस्करी में जेल भेजा गया टांडा निवासी जुल्फेकार पिछले पांच साल में 45 बार दुबई जा चुका है। इसके अलावा उसका साथी अजहरुद्दीन भी 10 बार दुबई की सैर कर चुका है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि दोनों तस्कर करोड़ों का सोना ला चुके हैं। वह मोबाइल नंबरों के जरिये पुलिस सोना तस्करी गिरोह के अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।दुबई से सोने की तस्करी करने के आरोप में जेल भेजे गए रामपुर जिले के टांडा निवासी शाने आलम, मुत्तलीब, अजहरुद्दीन और जुल्फेकार लंबे समय से तस्करी कर रहे थे। जैसे-जैसे पुलिस की जांच आगे बढ़ रही है, इस मामले में चौंकाने वाले तथ्य सामने आ रहे हैं। इस गिरोह में शामिल तस्कर जुल्फेकार ने 2020 में पासपोर्ट बनवाया था। इसके बाद से अब तक वह 45 बार दुबई जा चुका है।पुलिस का दावा है कि वह हर बार तस्करी कर दुबई से सोना लाया। अब तक वह करोड़ों का सोना ला चुका है। इसके अलावा अजहरुद्दीन 10 बार और शाने आलम व मुत्तलीब भी कई बार दुबई जा चुके हैं। सभी आरोपी अब तक कई किलो सोने की तस्करी कर चुके हैं। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि इस इस मामले में विवेचना जा रही है। चारों तस्करों और एक फाइनेंसर जाहिद मेंबर को जेल भेजा जा चुका है। चारों तस्करों के पेट से 29 कैप्सूल निकाले- दुबई से लौटे चारों तस्कर रास्तों से दुबई पहुंच रहे तस्कर- सोने के तस्कर करते हैं। पकड़े गए आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वह कभी दिल्ली, मुंबई, लखनऊ तो कई बार नेपाल के रास्ते से दुबई जाते हैं। चारों तस्करों के पेट से 29 कैप्सूल निकले- दुबई से लौटे चौथे तस्कर मुत्तलीब के पेट से बुधवार को एक और कैप्सूल निकाला गया। चारों तस्करों के पेट से सोने के कुल 29 कैप्सूल निकले, जिनका वजन एक किलो 100 ग्राम से अधिक है। बुधवार शाम पुलिस ने आरोपी मुत्तलीब को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया। वहीं सोना तस्करी गिरोह से जुड़े दो अन्य फाइनेंसरों और एक डॉक्टर को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है। रामपुर जिले के टांडा निवासी मो. नावेद और जाहिद 23 मई को सऊदी अरब से लौटे थे। दिल्ली एयरपोर्ट से इन्हें टांडा निवासी कार चालक जुल्फेकार लेकर टांडा लौट रहा था। इनकी कार में दुबई से लौट रहे शाने आलम, मुत्तलीब, अजहरुद्दीन और जुल्फेकार सवार हो गए। दुबई से लौट रहे लोगों को बदमाशों ने मुरादाबाद में अगवा कर लिया था। इनके साथ मो. नावेद और जाहिद भी अगवा कर लिए थे। पुलिस ने इन सभी को बदमाशों के चंगुल से छुड़ा लिया था। जिला अस्पताल में दुबई से लौटे चारों तस्करों के पेट से सोमवार 27 कैप्सूल निकाल लिए थे। तीन तस्कर भेज भेज दिए थे लेकिन मुत्तलीब के पेट से दो कैप्सूल होने के कारण उसे दोबारा जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मंगलवार को एक और बुधवार को दूसरा कैप्सूल निकाला गया है। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि बुधवार को आरोपी मुत्तलीब को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया है। इस मामले में तीन तस्कर और एक फाइनेंसर जाहिद मेंबर को कोर्ट में पेश करने के बाद पहले ही जेल भेजा गया है। कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई है। अन्य आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। खाड़ी देशों की यात्रा करने वालों के पासपोर्ट का होगा सत्यापन सोने की तस्करी के मामले में टांडा के युवकों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस और खुफिया विभाग सक्रिय हो गया है। पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र ने बताया कि जिले में जिन लोगों ने दुबई और सऊदी अरब की यात्रा की है, उन सभी लोगों के पासपोर्ट का सत्यापन कराया जाएगा। इनमें टांडा क्षेत्र के करीब 20 लोग हैं, जिन्हें रडार पर रखा गया है। इसके लिए एलआईयू और पुलिस अधिकारियों की टीम बनाई गई है। दुबई और सऊदी अरब जाने वाले कुछ लोग लालच में फंस जाते हैं। इस मामले में जिले का टांडा कस्बा बदनाम हो चुका है। सूत्रों की मानें तो सोने की तस्करी का यह गोरखधंधा यहां 15 वर्षों से फल फूल रहा है। पहले गुटखे के बदले सोने की तस्करी होती थी। बाद इनका नेटवर्क मजबूत हो गया तो कई गिरोह सक्रिय हो गए। मुरादाबाद में यहां के चार युवकों के पकड़े जाने के बाद से जिला पुलिस इन पर नजर रख रही है, लेकिन अब पकड़े गए युवकों के जेल जाने और निर्दोष मिलने पर दो को छोड़े जाने के बाद पुलिस अन्य की तलाश में जुट गई है।

संक्षिप्त समाचार

जूडो खिलाड़ी से मुरादाबाद के कोच ने फार्म हाउस में की छेड़छाड़, सीएम योगी-धामी तक पहुंची शिकायत, केस दर्ज

मुरादाबाद- देहरादून निवासी जूडो खिलाड़ी से मुरादाबाद के कोच ने छेड़खानी कर दी। उसने देहरादून में आरोपी के खिलाफ जीरो एफआईआर दर्ज करवाई है। इसके बाद इसे मुरादाबाद ट्रांसफर कर दिया गया। मुरादाबाद पुलिस अब इसकी जांच कर रही है। देहरादून निवासी जूडो की नेशनल खिलाड़ी ने भोजपुर थाने में 70 वर्षीय कोच सतीश शर्मा के खिलाफ छेड़खानी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़िता का आरोप है कि कोच ने अपने फार्महाउस पर ले जाकर प्रैक्टिस कराने के बहाने छेड़खानी की। विरोध करने पर आरोपी ने कॅरिअर खराब करने की भी धमकी दी।पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। जूडो खिलाड़ी ने भोजपुर थाने में केस दर्ज कराते हुए बताया कि वह देहरादून में महिला कोच से जूडो सीख रही थी। इसी दौरान उनका चयन एनआईओएस भोपाल के लिए हो गया था। कोच ने कहा कि वहां अच्छी ट्रेनिंग नहीं होती है।इसके बाद उन्होंने खिलाड़ी को मुरादाबाद निवासी सतीश शर्मा से कोचिंग लेने की सलाह दी। महिला कोच ने खिलाड़ी की सतीश शर्मा से बात भी करा दी। इसके बाद सतीश शर्मा ने खिलाड़ी को अपने सेंटर पर मुरादाबाद बुला लिया। पीड़िता का कहना है कि 12 मार्च की सुबह कोच उसे इस्लाम नगर स्थित अपने फार्महाउस पर ले गया। उस समय वहां कोई अन्य खिलाड़ी या कर्मचारी नहीं था। आरोप है कि प्रैक्टिस कराने के बाद कोच खिलाड़ी को अपने कमरे में ले गया और छेड़खानी की। पीड़िता ने विरोध किया तो आरोपी ने कॅरिअर खराब करने की धमकी दी। पीड़िता ने बताया कि इस घटना से वह इतना परेशान हो गईं कि उनका खेल भी खराब हो गया। होली के बाद जूनियर का नेशनल ट्रायल था, जिसमें वह हार गईं। इसके बाद अपने घर देहरादून चली गईं और वहां थाने में तहरीर दी। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि खिलाड़ी ने देहरादून के रजपुरा थाने में जीरो एफआईआर दर्ज कराई थी। घटनास्थल भोजपुर क्षेत्र होने के कारण मुकदमा यहां ट्रांसफर कर दिया गया। अब भोजपुर थाने में केस दर्ज कर लिया गया है। विवेचना में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। यूपी और उत्तराखंड के सीएम को भी भेजी शिकायत देहरादून निवासी जूडो खिलाड़ी ने बताया कि कोच सतीश शर्मा द्वारा छेड़खानी की घटना से आहत होकर वह डिप्रेशन में चली गईं और बीमार हो गईं। इसी कारण वह शुरुआत में शिकायत नहीं कर पाई थीं। हालांकि, इसके बाद उन्होंने इस मामले में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, उत्तराखंड के खेल मंत्री, उत्तराखंड ओलंपिक एसोसिएशन के सचिव, अध्यक्ष और जूडो फेडरेशन ऑफ इंडिया को भी शिकायती पत्र भेजा। वहीं खिलाड़ी द्वारा छेड़खानी की रिपोर्ट दर्ज कराए जाने के मामले में जूडो कोच सतीश शर्मा ने कहा कि यह एफआईआर यहां क्यों दर्ज हुई है, इसकी मुझे जानकारी नहीं है। मेरे पास देहरादून के रजपुरा थाने से सूचना आई थी। इस बारे में मुझे कुछ नहीं कहना है। पुलिस जांच करेगी तो सच सामने आ जाएगा।

सुदामा चरित्र की कथा के साथ श्रीमद्भागवत कथा का हुआ विश्राम, विशाल भंडारा आज

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। नगर के मोहल्ला ठाकुरद्वारा में श्री खाटू श्याम मंदिर परिसर में चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुक्रवार सुदामा चरित्र कथा के साथ भौंमासुर का मर्दन , प्रभु श्री कृष्ण ने देवताओं की माता अदिति के कुंडल और 16100 राजकुमारियों को बंधन मुक्त कराना एवं 8 विवाह पृथक- पृथक किए। भगवान के कुल 16108 विवाह हुए इसके बाद सुदामा चरित्र की कथा श्रवण करते -करते श्रद्धालु भाव -विभोर हो गये। उनकी आंखों से अश्रुधार बहने लगी। दत्तात्रेय के 24 गुरुओं का वर्णन एवं परीक्षित मोक्ष की कथा के साथ ही कथा विश्राम हुई। शनिवार को विशाल भंडारा एवं ब्राह्मणों को दान किया जाएगा।इस मौके पर सर्वेश कुमारी, अनिल कुमार गुप्ता, मोहित गुप्ता, ऋषभ गुप्ता, स्वाति, नेहा, ब्रजेश कुमार गुप्ता, बीनू गुप्ता, सचिन गुप्ता, स्वेता,शालू, राजेश कुमार गुप्ता, कमलेश कुमार गुप्ता, संजीव कुमार गुप्ता, प्रदीप कुमार गुप्ता, गोपाल गुप्ता, महेश सांवरिया सहित तमाम भक्तगण मौजूद रहे।प्रसाद वितरण समस्त गुप्ता परिवार ने किया।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

जनसेवा केंद्र के नाम पर फर्जीवाड़ा स्पेशल ऑपरेशन में खुलासा , भाजपा नेता के घर का मामला

क्यूँ न लिखूँ सच - पं सत्यमशर्मा

बरेली। लखनऊ एवं बरेली यूनिट की मिलिट्री इंटेलिजेंस का स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप और सीबीगंज पुलिस की ओर से की गई एक साथ छापामार कार्यवाही में भारतीय जनता पार्टी के नेता के जन सेवा केंद्र पर फर्जीवाड़ा किए जाने का बड़ा खुलासा हुआ । छापामार कार्यवाही में बड़ी संख्या में फर्जी दस्तावेज बरामद किए गए हैं। बृहस्पतिवार को बरेली के सीबीगंज थाना क्षेत्र के महेशपुर गांव में मिलिट्री इंटेलिजेंस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि गांव के जन सेवा केंद्र पर फर्जी दस्तावेज बनाए जा रहे हैं। मामले को लेकर की गई जांच में पता चला कि भाजपा नेता मुकेश देवल अपने ही मकान के नीचे खोलें गए जन सेवा केंद्र एवं लोकवाणी केंद्र पर बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा जांच के आधार पर मिलिट्री इंटेलिजेंस, एसओजी तथा सीबी गंज पुलिस टीम ने संयुक्त रूप से भाजपा नेता के जन सेवा केंद्र पर छापा मार कार्यवाही की। छापेमारी के दौरान दुकान से दो लैपटॉप (एक सोनी और एक डेल कंपनी का), दो ईप्सन प्रिंटर, एक कोजेंट कंपनी का आई स्कैनर, एक लॉजिटेक वेब कैमरा, एक थम्ब स्कैनर, एक फिंगर प्रिंट मशीन, छह रबर स्टांप (मोहर), दो एलआरआई शील्ड , एचपी कंपनी के दो माउस, 27 आधार कार्ड, एक पैन कार्ड, एक वोटर आईडी कार्ड और नॉर्थ ईस्टर्न रेलवे की एक फर्जी आईडी कॉपी बरामद हुई!

करोड़ों रुपये हड़पने का आरोप, हंगामा, फूट-फूटकर रोई महिला

क्यूँ न लिखूँ सच - पं सत्यमशर्मा

बरेली। मंडल के बदायूं में करीब 30 साल से लोगों का करोड़ों रुपये जमा करने के बाद अमर ज्योति फाइनेंस कंपनी भुगतान नहीं कर रही है। शुक्रवार को कंपनी भागने की सूचना पर सैकड़ों ग्राहक दफ्तर पर पहुंच गए। भुगतान के लिए हंगामा करने लगे। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। करीब एक घंटा तक हंगामा होता रहा। उधर, बरेली के कटरा चांद खां मोहल्ले में कंपनी मालिक के घर का घेराव किया गया। यहां महिलाओं ने कंपनी मालिक पर धोखाधड़ी का आरोप लगाकर हंगामा किया। इस दौरान कई महिलाओं ने रोते हुए अपनी व्यथा बताई। आरोप लगाया कि उनकी गाढ़ी कमाई सब्जबाग दिखाकर ले ली गई। अब वह लोग भटक रहे हैं। आराधना साहू ने बताया कि उनके छोटे भाई ने 25 लाख रुपये जमा किए। उसने घर तक बेच डाला। उसकी मौत हो चुकी है। हम कहां से लाएंगे अपना भाई। वह अवसाद में चला गया था, जिससे उसकी मौत हुई थी।पुलिस ने लोगों को समझाया अमर ज्योति फाइनेंस कंपनी में हजारों लोगों को करोड़ों रुपया जमा है। भुगतान की समय सीमा निकल जाने के बाद से ग्राहक लगातार अपने भुगतान को लेकर परेशान हो रहे हैं। करीब छह महीने पहले भी ग्राहकों ने जमकर हंगामा किया था। लेकिन शुक्रवार को फिर से शहर में यह सूचना फैली कि अमर ज्योति फाइनेंस कंपनी भाग गई है। दफ्तर से सारा सामाना ले जाया जा रहा है। इसके बाद तो लोगों का तांता लगना शुरू हो गया। देखते ही देखते सैकड़ों की तादात में ग्राहक मौके पर पहुंच गए और हंगामा करने लगे। सूचना पर पहुंची सदर कोतवाली पुलिस ने लोगों को समझाया। कंपनी के मालिक से बात कर ग्राहकों को रुपयों का भुगतान कराए जाने का आश्वासन दिया गया।

ऑनलाइन सट्टे, का भंडाफोड़, गिरोह का सरगना गिरफ्तार, सात फरार

क्यूँ न लिखूँ सच - पं सत्यमशर्मा

बरेली। प्रेमनगर क्षेत्र में ऑनलाइन सट्टेबाजी के एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। पुलिस ने छापेमारी कर मुख्य आरोपी विपिन सिंह रावत (38) को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि गिरोह के सात अन्य सदस्य मौके से फरार हो गये। पुलिस ने चार मोबाइल फोन, दो डायरियां और सट्टेबाजी से जुड़े कई डिजिटल सबूत बरामद किये हैं। प्राथमिक जांच में ?4,07,947 के सट्टा लेन-देन का रिकॉर्ड मिला है। प्रेमनगर पुलिस ने राजेन्द्र नगर स्थित सूरजभान स्कूल के पास एक मकान में ऑनलाइन सट्टे की सूचना पर टीम ने तुरंत छापा मारा। कई लोग वहां से फरार हो गये। स्थानीय निवासी विपिन सिंह रावत को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गये आरोपी के पास से मिले मोबाइल और डायरियों में बड़ी संख्या में सट्टे के नंबर और रकम दर्ज थे। साथ ही मोबाइल स्क्रीन पर लेन-देन के डिजिटल प्रमाण भी मौजूद थे। इन लोगों के साथ मिलकर चला रहा था ऑनलाइन सट्टा गिरफ्तार आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह अकेले नहीं, बल्कि एक संगठित गिरोह के साथ मिलकर यह कारोबार चला रहा था। उसके साथी हैं- सुधांशु रावत, लल्ला उर्फ हिमांशु, विपिन आनंद उर्फ चीनी, युसुफ सुमित गंगवार, बिजेन्द्र पाहुजा, सजल ये सभी आरोपी फिलहाल फरार हैं। पुलिस इनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है। चीनी के खिलाफ हाल ही में इज्जतनगर थाने में भी एक मुकदमा दर्ज है। एसएसपी अनुराग आर्य ने जानकारी दी कि गिरोह के सदस्यों ने संगठित अपराध के जरिये अवैध रूप से धन अर्जित किया है, इसलिए गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस तरह के संगठित अपराध को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और पूरे गिरोह को जल्द ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

युवक की गोली मारकर हत्या, खून से लथपथ मिला शव

क्यूँ न लिखूँ सच - पं सत्यमशर्मा

बरेली । बीती देररात कैंट थाना क्षेत्र के मोहनपुर में एक युवक की गोलीमार कर हत्या कर दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। युवक की पहचान बारादरी थाना क्षेत्र के अशोकनगर निवासी संकित चौहान (25) के रूप में हुई। थाना क्षेत्र के अशोक नगर निवासी संकित चौहान का शव कैंट थाना क्षेत्र के मोहनपुर पंचायत घर के सामने पड़ा था। वहां से गुजर रहे रोहित नाम के एक युवक ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के पास पड़े मोबाइल फोन को कब्जे में लिया। इसी दौरान मोबाइल फोन पर आई कॉल को उठाने पर पता चला कि संकित का भाई अंकित बोल रहा है। अंकित ने पुलिस को बताया कि उनका भाई नशे का आदी था और मेडिसिटी अस्पताल के सामने पराग डेयरी की दुकान पर काम करता था। वह रोजाना की तरह 11 बजे तक दुकान पर मौजूद था। इसके बाद से उसका पता नहीं चला और उसके मोबाइल पर कॉल रिसीव नहीं हो रही थी। कैंट थाना प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि मृतक के सीने के बाईं तरफ गोली लगने जैसा निशान है और खून निकल रहा है। लग रहा है कि गोली मारकर उसकी हत्या की गई है। अभी परिजनों ने कोई तहरीर नहीं दी है। हत्या की वजह और हत्यारों का पता लगाया जा रहा है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है

पुलिस मॉर्डन स्कूल में समर कैंप का हुआ समापन

क्यूँ न लिखूँ सच - पं सत्यमशर्मा

बरेली ⁼ चौपला स्थित पुलिस लाइन के पुलिस मॉडर्न स्कूल में समर कैंप के समापन का हुआ आयोजन स्कूल में सीओ ट्रैफिक नरेश सिंह ने सर्वप्रथम फीता काट कर दीप प्रज्वलित कर के कार्यक्रम की शुरुआत की। बच्चों ने वेलकम सॉन्ग के साथ अतिथि का स्वागत किया, फिर बच्चों द्वारा ग्रुप डांस किया गया। योगा और स्पोर्ट्स,आर्ट और क्राफ्ट , संस्कृत और इंग्लिश स्पीकिंग क्लासेस,और बच्चों ने कुकिंग विद्याउट फायर द्वारा बहुत स्वादिष्ट व्यंजन से अतिथि का मन मोह लिया फिर कार्यक्रम की समाप्ति पर सीओ ट्रैफिक ने बच्चों को उनके द्वारा किए गए कार्यक्रम की सराहना की । अंत में प्रधानाचार्या डॉक्टर किरन देवी ने बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए अतिथि और सभी स्टाफ का आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय मानव सेवा संस्थान ने सुंदरकांड और शीतल मीठा शरबत वितरण किया

क्यूँ न लिखूँ सच - पं सत्यमशर्मा

बरेली।राष्ट्रीय मानव सेवा संस्थान द्वारा बरेली स्थित किला छावनी में बड़े मंगल के उपलक्ष में सुंदरकांड कराया और तपती गर्मी में गर्मी से राहत पहुंचाने को छोटे-छोटे बच्चों को एवं क्षेत्र वासियों को ठंडा ठंडा स्वादिष्ट मीठे शरबत का वितरण किया गया। क्षेत्र वासियों ने और बच्चों ने ठंडा शरबत पीकर गर्मी से राहत महसूस करते हुए शरबत का आनंद लिया। शरबत कार्यक्रम में राष्ट्रीय मानव सेवा संस्थान की राष्ट्रीय अध्यक्ष बिंदु सक्सेना एवं बबली गुप्ता सहित क्षेत्र वासियों के साथ छोटे-छोटे बच्चे मौजूद रहे।

पुलिस मॉर्डन स्कूल में लोक कल्याण की प्रतिमूर्ति अहिल्याबाई होल्कर से प्रेरणा लें -छत्रपाल गंगवार सांसद

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। भारतीय जनता पार्टी ने सदैव देश के इतिहास में गुम हुई हमारी मुख्य शख्सियतों को पुन: सम्मानित करने के उद्देश्य से महारानी पुण्य श्लोक अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दी मनाने का संकल्प लिया और पूरे देश में पूरे उत्साह के साथ उनकी गौरव गाथा एवं मातृशक्ति को नमन और बंधन करने का अवसर प्राप्त किया।इसी क्रम में शुक्रवार को नगर पंचायत रिठौरा में प्राचीन झलरापीपल मंदिर परिसर में पुण्य श्लोक अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दी कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बरेली सांसद छत्रपाल गंगवार, विशिष्ट अतिथि महिला मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष मीरा सिंह ,जिला पंचायत सदस्य किरन पटेल रहीं।सभी आगन्तुकों का चेयरमैन शकुंतला देवी प्रतिनिधि अमित कुमार गुप्ता ने पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत सम्मान किया। विशिष्ट अतिथि मीरा सिंह ने विस्तार से पुण्य श्लोक अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी के संदर्भ में आम जनमानस को अवगत कराते हुए कहा।हमारी मातृशक्ति प्राचीन काल से ही पुरूष प्रधान समाज में कंधे से कंधा मिलाकर समाज के कल्याण के कार्यों में लगी है।सांसद छत्रपाल गंगवार ने भी बताया मातृशक्ति चाहें समाज लोक कल्याण के कार्य हों या सीमा पार युद्ध का नेतृत्व करना हो वह हर क्षेत्र में निपुण हैं।ऑपरेशन सिंदूर इसका जीता-जागता उदाहरण है।हम सब मातृशक्ति को नमन और बंदन करते हैं। कार्यक्रम का कुशल संचालन वेदपाल पटेल ने किया।इस दौरान दलित पिछड़ा वर्ग की महिलाओं रामलली, अर्चना, रानी को सांसद एवं अन्य पदाधिकारियों ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।नगर में वीर सैनिकों के सम्मान एवं आपरेशन सिंदूर की सफलता के उपलक्ष्य में विशेष तिरंगा यात्रा भी निकाली गई। इस दौरान धनपाल सिंह, सुरेन्द्र पटेल,ओ0पी0 प्रजपति,राजीव उर्फ़ लवकुश साहू, रमेश वर्मा, समाजसेवी दिनेश भास्कर, सभासद नीरज कुमारी, राधा रानी,देवीदास,मनोज कुमार कश्यप,मयंक पाण्डेय, डॉ पीपी माथुर, एडवोकेट भगवतसरन साहू,पूर्व प्रधान वेदप्रकाश पटेल, राजेंद्र उर्फ बब्लू, प्रधान धर्मेंद्र पटेल रामपाल, चौधरी सत्यवीर सिंह, मदनलाल भास्कर सहित भारी संख्या में जनसमूह मौजूद रहा।

रिठौरा में डॉक्टर लाल पैथलैब्स सीसी का सांसद ने फीता काटकर किया शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली।बेहतर स्वास्थ्य से ही विश्व का कल्याण है। स्वास्थ्य सेवा से जुड़े पंडित सुरेश चंद्र मिश्रा के बेटे डॉ मयंक मिश्रा,एवं संवाददाता सचिन मिश्रा ने भी समाज को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए डॉ लाल पैथलैब्स की शाखा रिठौरा में शुरू की जिसका शुभारंभ बरेली सांसद छत्रपाल गंगवार, भाजपा की महिला मोर्चा उपाध्यक्ष मीरा सिंह, जिला पंचायत सदस्य किरन पटेल,चेयरमैन शकुंतला देवी, चेयरमैन प्रतिनिधि अमित कुमार गुप्ता सभासद राधा ने फीता काट कर किया।इस मौके पर शिक्षक अंकुर मिश्रा, प्रदीप कुमार गुप्ता, प्रह्लाद यादव,कीर्ति उपाध्याय, अनुराधा मिश्रा, प्रीति मिश्रा, डॉ नेहा मिश्रा, भूमि रूद्र,पार्थ,प्राणवी,रजत शर्मा, उमेश शर्मा, अनिल कुमार गुप्ता सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

धर्म, सेवा और न्याय की प्रतीक थीं महारानी अहिल्याबाई होलकर - मानवेंद्र प्रतापसिंह गुरुजी

क्यूँ न लिखूँ सच - लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ अकराबाद - भारतीय इतिहास में कई वीरांगनाओं ने अपनी अद्भुत प्रशासनिक क्षमता, धर्मनिष्ठा, समाजसेवा और दूरदर्शिता से अमिट छाप छोड़ी है। इन्हीं में से एक नाम है - महारानी अहिल्याबाई होल्कर का उन्हें केवल एक शक्तिशाली शासिका ही नहीं, बल्कि एक आदर्श महिला प्रशासक, परोपकारी समाजसेविका और धार्मिक पुनर्निर्माण की महान संरक्षिका के रूप में जाना जाता है। वह धर्म सेवा और न्याय की प्रतीक थीं। यह बातें शुक्रवार को कस्बा के नेशनल हाईवे स्थित गोपाल फार्म हाउस में आयोजित महारानी अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जयंती के मौके पर बतौर मुख्य अतिथि के रुप मैं शामिल होने आये एमएलसी मानवेंद्र प्रतापसिंह गुरुजी ने कहीं। कार्यक्रम के आयोजक एवं अकराबाद ब्लाक प्रमुख राहुल सिंह ने पुण्यश्लोक महारानी लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा अहिल्याबाई होलकर का जन्म 31 मई 1725 को महाराष्ट्र के अहमदनगर ज़िले के चौंडी गांव में हुआ था। अहिल्या एक सामान्य किसान परिवार से थीं।अहिल्याबाई होल्कर के शासनकाल को भारतीय इतिहास में स्वर्ण युग कहा जाता है। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रधान ठा. तनुज सिंह द्वारा किया गया।इस अवसर पर बीडीओ सुरेश चंद्र गुप्ता,मुख्य वक्ता सीमा गौतम, भाजपा जिला प्रतिनिधि अबधेश शर्मा,जिला कार्यकारिणी सदस्य ठा. मोनू सिंह, मंडल अध्यक्ष अकराबाद विनीता सेंगर, प्रधान योगेंद्र कुमार बाबूजी, रक्षपाल सिंह बघेल, हरपाल बघेल, योगेंद्र बघेल, अजय सिंह, रूप किशोर उर्फ दीवान,गजेंद्र वर्मा उर्फ पप्पू सुनार, रनवीर सिंह नेताजी, केपी सिंह, राजन सिंह, छोटे सिंह, एडीओ आईएसबी टीपी सिंह,एडीओ पंचायत सतीश सिंह, आंगनबाड़ी संगठन की ब्लाक अध्यक्ष मधुवाला पुंढ़ीर, नीलम सिंह,हरदेवी,ममता सिंह,बीडीसी ठा. मनोज सिंह, बीडीसी प्रशांत शर्मा, मोहित सिंह, चिंटू ठाकुर, लव ठाकुर, कुलदीप सिंह उर्फ भोलू,हर्ष सिंह, गोलू सिंह, विनीत, प्रतीक समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

भागवत कथा के दौरान रीता शास्त्री ने भगवान कृष्ण की कथा का वर्णन करते हुए कहा

क्यूँ न लिखूँ सच - लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ ऋषिपाल शास्त्री मानई ने भगवान कृष्ण की कथा कहते हुए कहा कि कंस ने कृष्ण को मारने के लिए कई असुरों को भेजा जिनमें से सभी का कृष्ण द्वारा बध कर दिया गया अंत में कृष्ण अक्रूर जी के साथ मथुरा पहुंचते हैं और अपने मामा कंस का वध करते हैं तथा अपने माता-पिता को कारावास से मुक्त कराया गया कंस वध के बाद भी भगवान ने कई लीला की जो जीवों को मोक्ष देने के लिए हितकारी है। इस अवसर पर ओमवती देवी, प्रवेश, नीलू यादव,वर्फी देवी, सुदेवी, नाथू सिंह, मुन्नी देवी, बंटी, अजय, दामोदर सिंह आदि श्रोतागढ़ मौजूद रहे।

कोर्ट के आदेश पर 1885 लीटर कच्ची व देसी शराब पुलिस ने कराई नष्ट

क्यूँ न लिखूँ सच - पं सत्यमशर्मा

बरेली। अलीगंज पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 113 मुकदमों में जब्त की गई करीब 1885 लीटर कच्ची, देसी और अवैध शराब को नष्ट कर दिया। यह कार्रवाई गुरुवार को थाना परिसर में अधिकारियों की निगरानी में की गई।

शराब को गड्ढा खुदवाकर उसमें डलवाया गया और पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई गई। यह कार्रवाई बरेली में चल रहे ऑपरेशन क्लीन 3.0 अभियान के तहत की गई। माननीय न्यायालय जेएम द्वितीय आंवला ने 23 मई को आदेश जारी किया था कि 2022 से 2024 के बीच शराब तस्करी से जुड़े 113 मुकदमों में बरामद अवैध शराब का विधिवत निस्तारण किया जाए। मौके पर मौजूद रहे एसडीएम और तहसीलदार कोर्ट के आदेश के बाद एसडीएम आंवला की ओर से एक टीम गठित की गई, जिसके निर्देशन में गुरुवार को थाना अलीगंज परिसर में विनिष्टीकरण की प्रक्रिया पूरी की गई। इस दौरान नायब तहसीलदार आंवला, आबकारी इंस्पेक्टर, आंवला इंस्पेक्टर राजित राम और हेड कांस्टेबल मुकेश कुमार मौजूद रहे।

बहराइच/रिज़र्व पुलिस लाइन बहराइच सभागार में एएचटीयू/एसजेपीयू की मासिक समन्वय बैठक का हुआ आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच – भूपेंद्र तिवारी

बहराइच– पुलिस अधीक्षक महोदय बहराइच के निर्देशन में एसजेपीयू व एएचटीयू की मासिक समीक्षा एवं समन्वय बैठक क्षेत्राधिकारी नगर श्री पहुप सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा जारी एसओपी में दिये गये दिशा निर्देशों के अनुपालन हेतु थानों पर नियुक्त बाल कल्याण पुलिस अधिकारी के समक्ष आ रही समस्याओं व थानों पर गुमशुदा व पॉक्सो एक्ट से सम्बन्धित लम्बित अभियोगों की विवेचना के निस्तारण में आ रही कठिनाईयों पर विस्तृत चर्चा की गयी । तथा उसके उपरान्त बालश्रम व बाल विवाह पर भी चर्चा की गयी व नाबालिग बच्चों से किसी कार्यस्थल पर वर्जित कार्य न कराये जाने के विषय में बताया गया, तथा बच्चो को मिलने वाली सहायता की विभिन्न योजनाओं से भी अवगत कराया गया उसके उपरान्त बाल विवाह से उत्पन्न होने वाली समस्याओं से अवगत कराया गया, ऐसा करते हुए पाये जाने पर विधिक कार्यवाही करने के बारे में भी बताया गया । नाबालिग/पीड़ित बच्चों को सीडब्लूसी के समक्ष पेश किया जाना, बच्चों की बालिग/ नाबालिग उम्र का निर्धारण करने आदि बिन्दुओं पर चर्चा की गयी तथा समन्वय स्थापित कर कार्य योजना बनाते हुए बालश्रम व बाल विवाह के सम्बन्ध में जागरुकता अभियान चलाये जाने हेतु निर्देशित किया गया । इसके अतिरिक्त जिला प्रोबेशन संरक्षण अधिकारी द्वारा शासन द्वारा चलाई जा रही स्पॉन्सरशिप योजना के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई। बैठक में सीडब्ल्यूसी अध्यक्ष श्री सतीश श्रीवास्तव, श्रम विभाग से सहायक श्रम आयुक्त सिद्धार्थ मोदियानी, जिला प्रोबेशन संरक्षण अधिकारी, एन0जी0ओ0, आर0पी0एफ0 व जी0आर0पी0, स्वास्थ्य विभाग, थाना एएचटी टीम व सभी थानों के बाल कल्याण अधिकारी मौजूद रहे ।

कोतवाल ने तीन गांवों के ग्रामीणों के साथ बैठक मे ईद–उल–अजहा का त्योहार शांतिपूर्ण तथा सौहार्द के साथ मानने की अपील

क्यूँ न लिखूँ सच – राकेश गुप्ता

कैराना शामली। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र सिंह ने खादर क्षेत्र के तीन गांवों के ग्रामीणों के साथ में बैठक आहूत की। इस दौरान उन्होंने लोगो से ईद–उल–अजहा का त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से मनाने तथा आपसी सौहार्द को बरकरार रखने की अपील की है। साथ ही, चेतावनी दी है कि नशे की तस्करी करके समाज को खोखला करने वाले व्यक्ति को किसी भी कीमत पर बख्शा नही जाएगा। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र सिंह ने खादर क्षेत्र के गांव इस्सापुर खुरगान, बसेड़ा व दभेड़ी खुर्द में ग्रामीणों के साथ में बैठक की। उन्होंने ग्रामीणों के साथ में संवाद करते हुए क्षेत्र की समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि असामाजिक तत्व समाज में वैमनस्यता पैदा करने का कार्य करते है। ऐसे लोगो का सामाजिक स्तर पर बहिष्कार होना चाहिए। उन्होंने आगामी दिनों में होने जा रहे ईद–उल–अजहा के त्योहार को कानून के दायरे में रखकर शांतिपूर्ण तरीके से मनाने का आह्वान किया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ने कहा कि नशे का दानव समाज की जड़ों को खोखला करने का कार्य कर रहा है। युवा पीढ़ी नशे की दलदल में फंसकर अपने आपको बर्बाद कर रही है। ऐसे में समाज को एकजुट होकर नशे के खिलाफ लड़ाई लड़नी होगी। उन्होंने स्वार्थसिद्धि के लिए नशे के सौदागरों को सख्त लहजे में चेतावनी दी है। कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नही की जाएगी। इस तरह के धंधे में लिप्त लोग अपनी आदतों से बाज आये, वरना उन्हें उनके अंजाम तक पहुंचाने में कोई रहम नही दिखाया जाएगा। इस अवसर पर भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह की जयंती पर उनके अनुयायियों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

क्यूँ न लिखूँ सच – राकेश गुप्ता

कांधला, शामली। चौधरी चरण सिंह के अनुयायियों तथा उनको मानने वालों ने कांधला में दी भावभीनी श्रद्धांजलि। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चौधरी अरविंद कुमार (जिला पंचायत सदस्य तथा प्रदेश महासचिव खेल प्रकोष्ठ) तथा चौधरी बिजेंद्र मालिक (प्रदेश महासचिव पूर्व विधान सभा प्रत्याशी) रहे । इस कार्यक्रम पर दोनों अतिथियों ने संयुक्त रूप से चौधरी साहब के चित्र पर पुष्पों से श्रद्धांजली अर्पित की तथा उपस्थित सभी ने चौधरी साहब को याद कर श्रद्धांजली दी। मुख्य अतिथि चौधरी अरविंद कुमार ने अपने संबोधन में चौधरी साहब के बारे में कुछ महत्वपूर्ण जानकारी दी जिसमें उन्होंने कहा चौधरी साहब की जयंती को किसान दिवस के रूप मे भी प्रतिवर्ष 23 दिसंबर को किसानों के सम्मान में और भारत के 5वें प्रधानमंत्री (1979–80) चौधरी चरण सिंह की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। चौधरी चरण सिंह का जीवन संघर्ष से भरा था उन्होंने हमेशा किसानो के हितों के लिए ही अपना योगदान तथा जीवन न्यौछावर कर दिया था।चौधरी बिजेंद्र मालिक ने उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि चौधरी चरण सिंहका जन्म 1902 में उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के नूरपुर मेंएकमध्यम वर्गीय किसान परिवार में हुआ था। उन्होंने 1923 में विज्ञान से स्नातक की एवं 1925 में आगरा विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की। कानून में प्रशिक्षित श्रीसिंहने गाजियाबाद से अपने पेशे की शुरुआत की।चौधरी साहब ने विकेंद्रीकरण, ज़मीनी स्तर पर शासन और स्थानीय आर्थिक स्वायत्तता को बढ़ावा दिया। उन्होंने ऋण राहत विधेयक, 1939 का प्रारूप तैयार किया, जिससेकिसानोंको साहूकारों से मुक्ति मिली तथा जोत सीमा आरोपण अधिनियम, 1960 में भूमि की अधिकतम सीमा को कम करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। चौधरी यशवीर सिंह (पूर्व प्रधान ग्राम किवाना) ने चौधरी चरण सिंह जी से प्रेरणा लेकर कहा कि किसान समाज के सबसे महत्वपूर्ण सदस्यों में से एक है। वहव्यावहारिक उद्देश्यों के लिए लोगों को भोजन देता है। किसान वह होता है जो खेत का मालिक होता है और उसका संचालन करता है। लेकिन आज किसान हर तरफ से किसी न किसी मुसीबत से जुझ रहा हैं।

बहराइच पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा परेड की सलामी ली गयी एवं परेड का निरीक्षण किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच – भूपेंद्र तिवारी

बहराइच– पुलिस अधीक्षक महोदय, बहराइच द्वारा पुलिस लाइन परेड ग्राउण्ड में साप्ताहिक शुक्रवार परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया गया। परेड में सम्मिलित पुलिस कर्मियों के टर्नआउट को चेक करते हुए सभी अधिकारी/कर्मचारीगण को ड्यूटी के दौरान उच्च कोटि की वर्दी पहनने व जनता से मधुर व्यवहार स्थापित करने के लिए निर्देशित किया गया । परेड के दौरान अनुशासन व एकरूपता के लिए टोलीवार ड्रिल कराई गई । परेड के उपरान्त शस्त्रों का निरीक्षण किया गया तथा पुलिस लाइन परिसर स्थित विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये । इसके अतिरिक्त महोदय द्वारा पुलिस लाइन की बेहतर साफ–सफाई हेतु प्रतिसार निरीक्षक को निर्देशित किया गया । तत्पश्चात महोदय द्वारा पुलिस लाइन के आदेश–कक्ष में सभी गार्द रजिस्टरों को चेक करते हुए गार्द की सुरक्षा के सम्बन्ध में सभी गार्द कमांडरों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। इस दौरान क्षेत्राधिकारी लाइन श्री राज सिंह, प्रतिसार निरीक्षक श्री भुवनेश्वर सिंह तथा अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान नई दिल्ली द्वारा शामली जिला की गंगा समिति (DGC) सदस्यों का ऑनलाइन परामर्श सत्र आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच – राकेश गुप्ता

शामली। भारतीय लोक प्रशासन संस्थान नई दिल्ली द्वारा शामली जि़ले के जिला गंगा समिति (ष्ठत्नष्ट) सदस्यों के साथ एक ऑनलाइन परामर्श सत्र आयोजित किया गया।सत्र की शुरुआत डॉ विनोद शर्मा आईपी, द्वारा की गई जिसमें उनके द्वारा नमामि गंगे योजना व जिला गंगा प्लान के बारे में बताया गया कि जनपद में नदियों, तालाबों के पानी का संरक्षण जरूरी है उसे हमे सुरक्षित रखना चाहिए। जिसमें पश्चात् डॉ श्यामली द्वारा सत्र शुरु किया गया और बताया गया कि इस सत्र का उद्देश्य जिला गंगा योजना (ष्ठत्नक्क) की तैयारी में सहयोग और मार्गदर्शन प्रदान करना है। गंगा पुनर्जीवन के लिए जिला स्तरीय कार्ययोजना बहुत प्रभावी है। व और जनपद शामली गंगा और यमुना के दोआब क्षेत्र में है। हमें जनपद में अपशिष्ट जल प्रबंधन कार्य करना चाहिए, ओर कार्यक्रमों में सामुदायिक सहभागिता से गंगा मित्र, जल प्रेरक, स्कूल/कॉलेज, ग्राम पंचायत में बनी जल व स्वच्छता समिति से सहयोग को उक्त कार्यक्रम में जोड़ना चाहिए। सभी विभागों को योजना बनाने की प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। ओर जि़ले के पाँच प्रमुख प्राथमिकता वाले मुद्दों पर चर्चा की गई। प्रत्येक मुद्दे से संबंधित आवश्यक हस्तक्षेप (द्बठ्ठह्लद्गह्म्1द्गठ्ठह्लद्बश्ठ्ठह्य) भी साझा किए गए। एवं ऑनलाइन प्रशिक्षण में शामली, यूपी के डीजीपी में महत्वपूर्ण मुद्दों और उनकी प्राथमिकता के साथ–साथ आगे बढ़ने की रणनीतियों पर विशेष चर्चा की गई। सभी विभागों से कहा गया कि वे अपने–अपने कार्ययोजनाओं को तैयार करें।कार्ययोजना प्रस्तुत करने के लिए एक मानक प्रपत्र (श्ह्म्श्वद्बश्वह्द्धड्ड) भी साझा किया गया। यह प्रपत्र सभी संबंधित विभागों को भेजा गया है। सभी विभागों को अपनी योजनाएँ तय समय सीमा में साझा करने के निर्देश दिए गए। ओर जिलाधिकारी शामली व मुख्य विकास अधिकारी शामली के निर्देशन में कार्य करने हेतु समस्त विभागों को बोला गया। यह प्रक्रिया जिला गंगा योजना के प्रभावी और समेकित क्रियान्वयन के लिए की जा रही है।जिसमें डॉ माहिया कुलसुम , द्बद्बक्क दिल्ली द्वारा जिला गंगा योजना की बारे में सभी विभागों से वार्ता की गई, और सत्र का समापन किया गया। उक्त सत्र का समन्वय डॉ सोनू कुमार, डीश्पीश्ओश शामली द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी श्री जगदेव सिंह के निर्देशानुसार जिला गंगा समिति के सभी सदस्यों ड्रैनेज खंड, जल निगम, नमामि गंगे, पंचायती राज, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, प्रदूषण विभाग, वन विभाग व अन्य सभी के द्वारा प्रतिभाग किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 90 करोड़ से अधिक लागत के 40 विकास कार्यों की देंगे सौगात

क्यूँ न लिखूँ सच – रमाशंकर तोमर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 29 मई को पन्ना प्रवास के दौरान नगर के शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में 90 करोड़ 60 लाख रूपए लागत राशि के 40 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री द्वारा 75 करोड़ 72 लाख रूपए लागत राशि के 32 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं 14 करोड़ 88 लाख रूपए लागत राशि के 8 विकास कार्यों का लोकार्पण किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव लोक निर्माण विभाग (भवन) के 3, लोक निर्माण विभाग के 10, जिला शहरी विकास अभिकरण के 2, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के 5 तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के 12 विकास कार्यों का भूमिपूजन करेंगे। इसके अलावा लोकार्पित होने वाले विकास कार्यों में लोक निर्माण विभाग (भवन) अंतर्गत गुनौर आईटीआई में 3 टेउ्ड भवन, कल्दा में आदिवासी सीनियर कन्या छात्रावास, छत्रसाल महाविद्यालय पन्ना के कॉमर्स ब्लॉक में मल्टीपरपज हॉल का रेनोवेशन कार्य, साइंस ब्लॉक में 2 हाल, वाराण्डा व टॉयलेट भवन का निर्माण तथा कन्या छात्रावास के पीछे 30 मीटर लम्बाई की बॉउण्ड्रीवॉल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शाहनगर में ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट, शाहनगर विकासखण्ड के ग्राम बोरी में नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन तथा आवास गृह इत्यादि का निर्माण तथा शाहनगर में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय का निर्माण शामिल है। जिला शहरी विकास अभिकरण अंतर्गत पन्ना शहर में पेयजल व्यवस्था के लिए कटरा डैम से लोकपाल सागर तक 6 किमी लम्बाई की तथा निरपत सागर से पहाड़कोठी तक पाईप बिछाने के कार्य सहित ग्राम ससैया स्थित ठोस अपशिष्ट प्लांट की बॉउण्ड्रीवाल निर्माण का कार्य शामिल है।

संक्षिप्त समाचार

अहिल्याबाई होल्कर की स्मृति में महिला सशक्तिकरण हेतु त्रिशताब्दी जन्म दिवस कार्यकम विकास भवन सभाकक्ष में आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच – राकेश गुप्ता

शामली। लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की स्मृति में महिला सशक्तिकरण हेतु, उनका त्रिशताब्दी जन्म दिवस कार्यकम विकास भवन शामली सभाकक्ष में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री विनय कुमार तिवारी, मुख्य विकास अधिकारी शामली द्वारा की गयी। कार्यक्रम का संचालन श्री सत्यराम यादव, जिला विकास अधिकारी/उपायुक्त श्रम रोजगार एवं परियोजना निदेशक, डी0आर0डी0ए0/उपायुक्त स्वत: रोजगार शामली द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम में ग्राम्य विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की लगभग 150 महिला लाभार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यकम में महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु माता अहिल्याबाई होल्कर के जीवन पर प्रकाश डाला गया तथा विभिन्न योजनाओं में उत्कृष्ठ कार्य करने वाली महिलाओं को प्रमाण–पत्र वितरित कर, सम्मानित भी किया गया। कार्यकम में डा0 हरेन्द्र, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, श्री उमाकान्त मुद्गल खण्ड विकास अधिकारी ऊन, श्री नाथू राम खण्ड विकास अधिकारी शामली, श्री चेतन कुमार अतिरिक्त कार्यकम अधिकारी, समस्त ब्लॉक मिशन मैनेजर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन शामली आदि उपस्थित रहें।

श्मशान घाट की भूमि पर काबिज दबंगों ने दी जान से मारने की धमकी, दबंगों को नहीं कानून का डर – नरेश मालिक

क्यूँ न लिखूँ सच – राकेश गुप्ता

शामली। ग्राम कुरमाली गांव में पिछले 50 साल से शमशान घाट पर दबंगों ने अवैध कब्जा कर रखा है जिसका विवाद चल रहा है जिसको छुड़ाने के लिए 3 महीने से निरंतरण प्रयास नरेश मलिक गांव कुरमाली तथा उनके सहयोगी ग्रामवासी योगेंद्र मलिक जितेंद्र मलिक ऋषिपाल राजकुमार मलिक विशाल मलिक रविंद्र मलिक हैं। प्रशासन को भी इस मामले से अवगत कराया गया लेकिन दबंग शमशान घाट पर कब्जा जमाये हुए हैं। नरेश मलिक तथा उसके सहयोगी निरंतर प्रयास में जुटे हुए हैं। इस मामले मे नायब साहब त्यागी के सख्त निर्देश तथा कार्यवाही से फिर पैमाइश की गई और आश्वासन दिया कि शनिवार तक कब्जा मुक्त कर देंगे। लेकिन अब दबंगों द्वारा नरेश मालिक को खुलेआम जान से मारने की धमकी दी जा रही हैं। नरेश मालिक को अपनी जान माल का खतरा बना हुआ है। नरेश मालिक ने जिलाधिकारी शामली को लिखित प्रार्थना पत्र द्वारा अपनी दबंगों से सुरक्षा की गुहार लगाई है तथा इन अपराधिक दबंग तत्वों पर कानूनी कार्यवाही की मांग की है। दबंग इतने शातिर है कि कोई भी वारदात को अंजाम देने से नहीं डरते हैं क्योंकि इन तत्वों के अन्दर कानून का कोई खौफ़ नहीं है। नरेश मालिक का कहना है कि जब प्रशासन को इस मामले से अवगत करा दिया गया है तो प्रशासन की जिम्मेदारी है कि नरेश मालिक को कानूनी सुरक्षा मिले तथा अपराधिक तत्व जेल के अंदर हो और न्याय हित में शमशान घाट की भूमि कब्जा मुक्त हो।

सुभाषपा प्रदेश अध्यछ पहुचे न तुला राम

क्यूँ न लिखूँ सच – लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ श्रीमद् भागवत कथा नगला तुलाराम में तीसरे दिन भक्त प्रहलाद की कथा का आयोजन किया गया जिसमें भारी मात्रा में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी व भागवत आचार्य ओमप्रकाश शास्त्री जी ने अपने मुखारविंद से भक्त प्रहलाद कथा का सभी भक्तों को अनुकरण कराया जिसमें सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष माननीय प्रेमचंद कश्यप अलीगढ़ मंडल अध्यक्ष मोहित उपाध्याय अलीगढ़ महिला अध्यक्ष अलका शर्मा जी अलीगढ़ जिला अध्यक्ष सुभाषपा अमित जादौन के निज ग्राम नगला तुला राम में श्रीमद् भागवत कथा का रसपान किया व्यास गद्दी पर विराजमान व्यास महाराज को माला पहनकर स्वागत किया भागवत पंडाल में उपस्थित ग्रामीणों ने प्रदेश अध्यक्ष प्रेमचंद जी का फूल माला पटका पहनाकर कृष्ण कन्हैया की स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया मौके पर उपस्थित अलीगढ़ जिला अध्यक्ष अलीगढ़ अमित जादौन महिला जिला अध्यक्ष अलका शर्मा राजेंद्र दादा हरपाल सिंह धर्मेंद्र सिंह डा रिकू सिह सुखवीर सिह नेपाल माहौर असमेश सिह नागेंद्र सिंह बंटू सिंह अंशुल कुमार रेनू मेठ रेनू सिह चेतन सिह शशी देवी आदि सभी ने स्वागत किया गया

चितरंगी आजीविका मिशन में घोटाला– महिला सशक्तिकरण की नींव पर करारा प्रहार?

क्यूँ न लिखूँ सच

चितरंगी क्षेत्र में आजीविका मिशन से जुड़ी आर्थिक अनियमितताएँ सिर्फ धन की हेराफेरी का मामला नहीं हैं, बल्कि यह घटना ग्रामीण विकास और महिला सशक्तिकरण की आत्मा को चोट पहुँचाने वाली है। जिन योजनाओं का मकसद था ज़रूरतमंद महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना, वे अब भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही की भेंट चढ़ रही हैं फर्जी खातों में पैसा, असली हितग्राही वंचित सरकारी दस्तावेज़ों में जिन महिलाओं के नाम पर ऋण और सहायता दिखाई गई, उन तक वास्तविक लाभ पहुँचा ही नहीं। इस धन का गमन फर्जी खातों में हुआ, जो न केवल आपराधिक कृत्य है, बल्कि लोकतंत्र और लोक-कल्याणकारी राज्य की मूल भावना के खिलाफ है प्रशासन की चुप्पी और जवाबदेही का अभाव सबसे दुखद पक्ष यह है कि मीडिया रिपोर्ट्स और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की आपत्ति के बावजूद अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। यह प्रशासन की निष्क्रियता और जिम्मेदारी से बचने की प्रवृत्ति को दर्शाता है। केवल जांच की मांग करने से बात नहीं बनेगी; कार्रवाई ज़रूरी है अब जरूरी है-पारदर्शिता, सख्ती और जवाबदेही इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, दोषियों को पहचान कर कड़ी सजा दी जानी चाहिए साथ ही ज़रूरी है कि भविष्य में ऐसी घटनाएँ न दोहराई जाएँ, इसके लिए निगरानी तंत्र को तकनीकी और सामाजिक रूप से अधिक पारदर्शी और मजबूत बनाया जाए निष्कर्ष अगर आज हम चुप रहे, तो आने वाले समय में न सिर्फ योजनाओं की विश्वसनीयता खत्म होगी, बल्कि ज़मीनी स्तर पर बदलाव की जो उम्मीदें हैं, वे भी धूमिल हो जाएँगी शासन को अब जवाबदेह बनना ही होगा।

पुरानी जमीनी रंजिश को लेकर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मौर्य पर तलवार से किया हमला

क्यूँ न लिखूँ सच

सोरांव तहसील के होलागढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत सराय भारत उर्फ़ होलागढ़ में पूर्वजों के जमाने से रामपाल मौर्य ने अपनी जमीन को कब्जा किया था पड़ोस के ही रहने वाले मोहम्मद चांद मोहम्मद सलीम, पुत्र यूनुस हबीब पुत्र अज्ञात और राजा बाबू पुत्र मोहम्मद हबीब ये सब एक राय होकर जमीन को हड़पने की नीयत से कब कब्जा करने लगे तो , जब इसका विरोध निर्मला देवी पत्नी रामपाल वह अन्य लोगों ने विरोध किया तो उन्हें मारने पीटने लगे पहले से घात लगाए बैठे थे और फावड़ा व तलवार लाठी डंडे से मार मार कर घायल अधमरा कर दिया गया किसी तरह से लोगों द्वारा जान बचाकर प्रार्थिनी थाने पहुंच कर होलागढ़ थाने में तहरीर व वीडियो के आधार पर सुगंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया मामले को पुलिस जांच कर रही है, वहीं पर प्रार्थिनी को अभी भी जान से मारने की धमकी दी जा रही है

विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला जज ने आज जिला कारागार का मासिक/ त्रेमासिक भ्रमण किया

क्यूँ न लिखूँ सच - नीरज कुमार

उरई - उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार माननीय जनपद न्यायाधीश श्री अचल सचदेव ने आज जिला कारागार उरई का मासिक/त्रैमासिक भ्रमण किया। उन्होंने विभिन्न बैरकों का भ्रमण किया और वहां निरूद्ध बन्दियों से पूछ-तांछ करते हुये उनकी समस्यों को जाना समझा तथा जेल प्रशासन को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस मौके पर अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती पारुल पंवार, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री अभिषेक खरे एवं जेल प्रशासन के अधिकारीगण मौजूद थे। निरीक्षण में माननीय जिला जज महोदय ने बन्दियों के मुकदमों की पैरवी, उनको दी जाने वाली विधिक सहायता/सलाह और महिला बन्दी व उनके साथ रह रहे बच्चों की चिकित्सा व खान-पान इत्यादि के बारे में जाना-परखा। उन्होंने कई बन्दियों से अलग-अलग जानकारी ली एवं जेल प्रशासन को निर्देशित किया कि कोई भी ऐसा बन्दी जिसका निजी अधिवक्ता न हो अथवा विधिवत् ढंग से न्यायालयों में पैरवी न हो पा रही हो, को विधिक सहायता दिलाये जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। यदि किसी विचाराधीन बन्दी को पैरवी हेतु सरकारी खर्चे पर अधिवक्ता की आवश्यकता हो तो सम्बन्धित न्यायालय में बन्दी की ओर से प्रार्थनापत्र दिलवाया जाना सुनिश्चित करें ताकि एमाइकस क्यूरी (न्यायमित्र) की सुविधा उपलब्ध हो सके। इसीप्रकार जो बन्दी दोषसिद्ध हो चुके हैं, की अपील न हो पाने की स्थिति में नियमानुसार जेल अपील करायी जाये। इसमें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से आवश्यक समन्वय बनाकर ऐसे प्रकरणों का निर्धारित समयावधि में निस्तारण किया जाये ताकि अपील की मियाद समाप्त न होने पाये। जेल अपील कराये जाने में यदि कोई विधिक समस्या आ रही है तो उसको सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के संज्ञान में लाते हुये द्वारा उचित माध्यम माननीय उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति से यथा आवश्यक पत्राचार किया जाये। 18 वर्ष से 21 वर्ष तक के किशोर अपचारियों की शिक्षा के सम्बन्ध मे पूछने पर जेल अधीक्षक द्वारा बताया गया कि बेसिक शिक्षा विभाग के सहयोग से एक शिक्षक का सम्बद्धीकरण किया गया हैं। मा0 जनपद न्यायाधीश के द्वारा जेल अधीक्षक को निर्देशित किया कि जिन विचाराधीन बन्दियों की जमानत सक्षम न्यायालय से हो चुकी हैं एवं जमानतगीर के अभाव में जेल में रिहा नहीं हो पा रहे हैं, ऐसे बन्दियों की सूची कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को अविलम्ब उपलब्ध कराये जिससे कि उनकी रिहाई सम्भव हो सके। इस अवसर पर जेल अधीक्षक श्री नीरज देव, कारापाल श्री प्रदीप कुमार, उप कारापाल श्री अरविन्द सिन्हा व श्री अमर सिंह एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जालौन के लिपिक श्री शुभम् शुक्ला उपस्थित रहे।

जनपद में बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा 2025 के सकुशल आयोजन हेतु तैयारियां पूर्ण नकल विहीन परीक्षा संपन्न कराने को लेकर डीएम व एसपी ने दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच - पवन कुमार

बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा 2025 को पूरी तरह नकल विहीन, शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने हेतु जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक कर सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक समेत संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।जनपद में 1 जून 2025 को आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा के लिए कुल 07 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं, जिनमें गांधी महाविद्यालय उरई, दयानंद वैदिक कॉलेज उरई, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज उरई, राजकीय इंटर कॉलेज उरई, गांधी इंटर कॉलेज उरई, सनातन धर्म इंटर कॉलेज उरई एवं सर्वोदय इंटर कॉलेज उरई शामिल हैं। इन केंद्रों पर कुल 2997 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे। परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जाएगी पहली पाली सुबह 9:00 से 12:00 बजे तक तथा दूसरी पाली दोपहर 2:00 से शाम 5:00 बजे तक। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि परीक्षार्थी समय से पहले परीक्षा केंद्र पर पहुंचें। प्रथम पाली के परीक्षार्थियों को सुबह 8:00 बजे से 9:30 बजे तक एवं द्वितीय पाली के परीक्षार्थियों को दोपहर 1:00 बजे से 2:30 बजे तक प्रवेश सुनिश्चित कराया जाए। जिलाधिकारी ने किया कि परीक्षा केंद्रों में किसी भी परीक्षार्थी को मोबाइल, ब्लूटूथ, स्मार्ट वॉच अथवा अन्य किसी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के साथ प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। साथ ही, परीक्षा केंद्रों के 500 मीटर के दायरे में स्थित साइबर कैफे, फोटोस्टेट मशीनें, पीसीओ आदि परीक्षा अवधि के दौरान पूर्णत: बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। परीक्षा में पारदर्शिता बनाए रखने हेतु जिला प्रशासन द्वारा 4 केंद्र प्रतिनिधि, 07 स्टैटिक मजिस्ट्रेट, 01 रिजर्व केंद्र प्रतिनिधि एवं 01 रिजर्व स्टैटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक केंद्र पर एक केंद्र व्यवस्थापक की भी नियुक्ति की गई है। परीक्षार्थियों के लिए यह भी अनिवार्य किया गया है कि वे अपने प्रवेश पत्र की तीन प्रतियों के साथ परीक्षा केंद्र पर उपस्थित हों। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) श्री योगेंद्र सिंह, उप जिलाधिकारी श्री अतुल कुमार, उप जिलाधिकारी श्री सौरभ पाण्डेय, जिला विद्यालय निरीक्षक श्री राजकुमार पंडित सहित सभी स्टैटिक मजिस्ट्रेट एवं केंद्र व्यवस्थापकगण उपस्थित रहे।

नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के अभियुक्त को 10 वर्ष का कारावास व 70,000 के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

क्यूँ न लिखूँ सच - शैलेन्द्र कुमार पाण्डेय

ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत चिन्हित अभियोगों में दोषी अभियुक्तों के विरुद्ध अधिकतम/त्वरित दण्डात्मक कार्यवाही हेतु चलाया जा रहा विशेष अभियान । * माननीय न्यायालय पीठासीन अधिकारी श्री दीपकान्त मणि, अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) बहराइच द्वारा घटना कारित करने वाले अभियुक्त को दण्डित किया गया । घटना का संक्षिप्त विवरण- वादी मुकदमा द्वारा थाना स्थानीय को सूचना दी गयी

कि वादी के गांव का लालू पुत्र नरेन्द्र कुमार वादी की पुत्री (पीड़िता) उम्र करीब 16 वर्ष को दिनाँक 18.10.2016 को रात करीब 08.30 बजे बहला-फुसला कर कहीं भगा ले गया। तलाश की गई परन्तु कुछ पता नहीं चला। जिसके सम्बन्ध में थाना रिसिया में दिनांक 20.10.2016 को वादी द्वारा दी गयी तहरीरी सूचना के आधार पर मु0अ0सं0 994/2016 धारा 363, 366 भा.द.सं. बनाम अभियुक्त लालू उपरोक्त पंजीकृत किया गया ।

तत्कालीन विवेचक उ0नि0 मोहम्मद अहमद अंसारी द्वारा साक्ष्य संकलन, गवाहों की गवाही व विवेचनात्मक कार्यवाही के उपरान्त अभियुक्त लालू उपरोक्त के विरुद्ध आरोप-पत्र दिनांक 10.11.2016 को अन्तर्गत धारा- 363, 366, 376 भा.द.वि. व 3/4 पॉक्सो एक्ट प्रेषित किया गया तथा माननीय न्यायालय द्वारा आरोपों को दिनांक 28.03.2017 को विरचित किया गया।दोषसिद्धि का विवरण- श्रीमान् पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 लखनऊ के आदेश के क्रम एवं पुलिस अधीक्षक महोदय बहराइच के निर्देशन में ऑपरेशन कन्विक्शन%% के अन्तर्गत चिन्हित अपराधों में दोषी अभियुक्तों के विरुद्ध माननीय न्यायालय द्वारा अधिकतम/त्वरित दण्डात्मक कार्यवाही हेतु जनपदीय पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है जिसके क्रम मे उक्त अभियोग मे माननीय न्यायालय/पीठासीन अधिकारी श्री दीप कान्त मणि, अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) बहराइच द्वारा प्रभारी थाना रिसिया, मॉनीटरिंग सेल पुलिस कार्यालय बहराइच, जिला शासकीय अधिवक्ता श्री सन्त प्रताप सिंह तथा कोर्ट मोहर्रिर का0 बृजेश कुमार साहनी व थाना पैरोकार का0 राजेश यादव की प्रभावी पैरवी के फलस्वरुप दिनांक- 30.05.2025 को दोषी अभियुक्त लालू उपरोक्त को दण्डित किया गया ।

दोषसिद्ध अभियुक्त का विवरण- 1. लालू पुत्र नरेन्द्र कुमार उर्फ नरेश निवासी कादियापुर दा0 सैदा, थाना रिसिया, जनपद बहराइच सजा का विवरण- -दोषसिद्ध अभियुक्त को 1. धारा 4(1) पॉक्सो एक्ट के अपराध में 10 वर्ष का कारावास व ?50,000 का अर्थदण्ड, अर्थदण्ड अदा न करने की स्थिति में 05 माह का अतिरिक्त कारावास । 2. धारा 363 भा.द.वि. के अपराध में 05 वर्ष का कारावास व ?10,000 का अर्थदण्ड, अर्थदण्ड अदा न करने की स्थिति में 01 माह का अतिरिक्त कारावास । 3. धारा 366 भा.द.वि. के अपराध में 05 वर्ष का कारावास व ?10,000 का अर्थदण्ड, अर्थदण्ड अदा न करने की स्थिति में 01 माह का अतिरिक्त कारावास ।

संक्षिप्त समाचार

किशोर को ईट से मार कर जख्मी कर दिया गया मुकदमा दज

क्यूँ न लिखूँ सच

मऊआइमा (प्रयागराज) आम के बाग में क्रिकेट खेलते समय आम तोड़ने से मना करने पर किशोर को ईट पत्थर से मार कर जख्मी कर दिया गया। पुलिस ने चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम लोकई का पूरा सकरामऊ निवासी राम खेलावन पुत्र स्वर्गीय श्याम लाल का कहना है कि गांव के कतिपय बच्चे उनके बाग में क्रिकेट खेल रहे थे। आरोप है कि आम तोड़ने से जब उनका पुत्र सौरभ ने मना किया तो उसे ईट पत्थर से मार कर जख्मी कर दिए।राम खेलावन का आरोप है कि उसके बोलने पर गालियां दी गई और जान से मारने की धमकी दी गई।राम खेलावन ने मऊआइमा थाने में राज,शिव,निशा देवी, दिनेश के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

रानी अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जयंती पर नगर पंचायत मऊआइमा में विशेष कार्यक्रम

क्यूँ न लिखूँ सच

मऊआइमा (प्रयागराज) नगर पंचायत मऊआइमा में शुक्रवार को रानी अहिल्याबाई होल्कर के तीन सौ वीं जयंती पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष शोएब अंसारी ने रानी अहिल्याबाई होल्कर को महान समाज सेविका एंव मराठा साम्राज्य की प्रेरणादायी शासिका बताए। चेयरमैन शोएब अंसारी ने कहा कि रानी अहिल्याबाई होल्कर के जीवन से प्रेरणा लेते हुए समाज सेवा और स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिए। इस अवसर पर चेयरमैन शोएब अंसारी द्वारा महिला सफाई मित्रों को सम्मानित किया गया । जिसमें रंजना देवी,आशा देवी,गीता देवी, पुष्पा देवी आदि को सेफ्टी किट का भी वितरण किया गया एवं उनके अथक परिश्रम और सेवा भावना को सराहा गया। इस मौके पर नगर पंचायत सदस्य, स्वच्छ वार्ड प्रोत्साहन समिति के सदस्य, स्थानीय नागरिक एवं कर्मचारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। नगर पंचायत कार्यालय में सफाई मित्रों के स्वास्थ्य की जांच की गई एवं नगर क्षेत्र में स्थित स्कूलों, धार्मिक स्थानों, चौराहों, नालों, पार्कों आदि में विशेष सफाई अभियान चलाया गया।

दो परिवारों में सुलह कराते हुए परिवारों को टूटने से बचाया

क्यूँ न लिखूँ सच - भूपेंद्र तिवारी

बहराइच /आवेदिका द्वारा आपसी पारिवारिक विवाद के सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक महोदय के समक्ष सुलह हेतु प्रार्थना पत्र दिया गया, जिसके निस्तारण हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र को निर्देशित किया गया। परिवार परामर्श केन्द्र द्वारा शिकायतकर्ता की शिकायतों को विस्तारपूर्वक सुनकर-समझकर द्वितीय पक्ष से सम्पर्क करके उन्हें पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केंद्र बुलाया गया तथा दोनों पक्षों को समझाया गया, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों द्वारा भविष्य में आपस में लड़ाई-झगड़ा न करने तथा परिवारिक कर्तव्यों का पालन करते हुए खुशी-खुशी साथ रहने की बात कही गयी। आपसी सुलह होने पर दोनों पक्षों को एक दूसरे के साथ आपस में सामंजस्य स्थापित कर परिवारिक दायित्यों को सही प्रकार से निर्वहन करने हेतु सलाह दी गयी।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

Philippines is giving Visa-Free Entry to Indians, if you plan to go, then definitely visit these places

Philippines is giving visa-free entry to Indians from May 2025 (Philippines Visa Free For Indian). This has been done to increase the number of Indian tourists. Philippines is a very beautiful country surrounded by sea. The beautiful views here and the water spread all around will captivate you. If you also want to go to the Philippines, then definitely include these places in your travel list. Philippines is a very beautiful country, the beautiful seeds here can win anyone's heart. You can enjoy seeing many beautiful places in the Philippines. Philippines has recently started the facility of visa-free entry (Philippines Visa Free For Indian) for Indian tourists. That is, you can visit this beautiful island country without a visa. This has made it even easier to visit here. Philippines is famous all over the world for its golden beaches, colorful marine life, vibrant culture and adventurous activities. In such a situation, if you are also planning to visit Philippines, then here are these 4 best places and activities, which you must try (Philippines Travel Tips). Enjoy the beauty of Palawan Island The Palawan Island of Philippines is no less than a paradise for natur lovers. Places like El Nido and Coron here are famous for their crystal clear waters, breathtaking lagoons and limestone cliffs. Here you can go kayaking. You can see colorful fish and coral reefs closely through snorkeling and scuba diving. Also, you can enjoy the boat tour of Hidden Lagoon.Enjoy White Beach on Boracay Island The White Beach of Boracay Island in the Philippines is one of the most beautiful beaches in the world. The soft white sand and turquoise water here can win anyone's heart. You can enjoy water sports activities like parasailing and jet skiing here. Apart from this, you can see the beautiful view of sunset on a sunset cruise. If you are interested in adventurous sports, you can also have the thrilling experience of bungee jumping. See the culture of Philippines in Manila Manila, the capital of the Philippines, is the historical and cultural center of this country. Here you can see the historical forts and churches of Intramuros. You can roam in Rizal Park and learn about the country's freedom fighter Jose Rizal. Apart from this, you can also taste local Filipino food like adobo, sinigang and halo-halo. Experience jungle safari on Sigon River Cruise Sigon River, located in Puerto Princesa, Philippines, is an underground river. Here you can see wild animals like monkeys, crocodiles and various types of birds during the boat ride. You can visit the caves of the underground river, which is a UNESCO World Heritage Site.

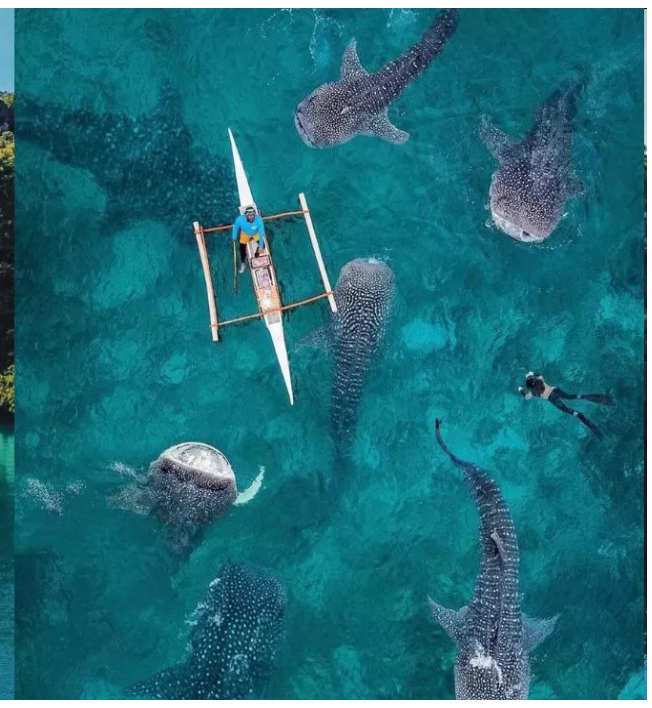

Air travel in Turkey is now safer, the government has issued new flight safety rules!

Keeping in mind the safety of the passengers, the Turkish government has issued new flight related rules (Turkey Flight Safety Rules) which have come into force from May 2025. These rules have been made to maintain the safety of the passengers after the flight lands and to maintain order in exiting the plane. Read these new rules here. Turkey has brought out new rules for the safety of passengers. These rules have been specially made for safety at the time of landing. These flight safety rules will also help in maintaining order while disembarking from the plane. You may have noticed that some time ago American filmmaker and journalist Adam Ellick shared a video of his flight on social media. In this video, some Indian passengers stood in the aisle with their bags before the plane stopped completely. In the caption of this video, he wrote - Classic landing in India. It may sound bad, but it is true. We often pick up our luggage and line up as soon as the plane lands. Even though when the cabin crew opens the plane they will be able to disembark only and it is not only dangerous for you. By door. But do you know that this restlessness poses a risk of injury problems and to increase the safety of doing this, you can also harm your fellow passengers. To avoid similar related to flights (Turkey Flight Safety passengers, the Turkish government has implemented some new rules Let's know what these new rules are. Rules). You may also have to pay a fine for not following these rules. rules have come into effect from May Turkey has issued new rules for flight safety Let us tell you that these 2025 and will apply to all economy airlines flying from Turkey, including Turkish Airlines. These rules are to reduce the chaos and safety risk among the passengers at the time of landing and disembarking from the plane. What do the new rules say? Passengers have to keep their seat belts on until the seat belt is signed off. Also, passengers are not allowed to get up from their seats until the plane reaches its parking spot and stops. Standing in the aisle before the plane stops, opening the overhead compartment bins is also prohibited. All airlines will have to give clear instructions in their in-flight announcements that passengers should remain seated until the plane stops completely. Also, passengers who do not follow the rules will be warned that they can be complained against. Passengers will have to exit the plane peacefully one by one while disembarking. Passengers sitting on the aisle seats will have to take special care that they do not block the way for other passengers. Passengers who do not follow these rules will be considered disruptive passengers and can be fined. The Turkish government has not yet announced how much this fine will be. The cabin crew of the aircraft has been given the authority to enforce these rules, make additional safety announcements after landing and report passengers who break the rules. These rules will not only ensure the safety of passengers but will also make the deboarding process more streamlined and faster.

This is my type! Does this formula work in relationships? Let's know how to choose the right partner

Everyone has different choices and it is important to find good qualities in a partner. Upbringing, social circumstances and experience play an important role in this. With time, we mold our partners into a mold, test their qualities and see if they are physically and emotionally fit. Let's know how to choose the right partner for ourselves. These days, it has become very difficult to maintain a relationship. However, choosing the right partner is important to strengthen the relationship. There are some aspects, with the help of which you can choose the right partner. If someone is asked what kind of partner he wants, then you will also be surprised to hear the answer, because everyone's choice is different or say his type is different. After all, what does it mean to find one's type and what things influence it. The phrase of dark, tall and handsome partner seems to be getting old now. Now some want someone who cracks jokes here and there, some want someone who is tech savvy and some want something else. In such a situation, the question arises that while choosing a partner, how important is it to know what qualities you are looking for in him, which makes him your type. Our upbringing is important. If for some, it matters whether the partner is fair-skinned or dark-handsome, then for some, looks are not that important. It depends on the perspective of that person. Behind this, his social situation, experience, upbringing and such fantasy-filled stories work, which he has thought according to his life. In this, the partner's look, personality and his sanskar also matter somewhere. Is he better in every respect? With time, we mold our partner's type into a mold and we try to test him through some checklist. Like his positive, negative, right, wrong, yes or no. Through this, we try to see whether the person with whom we have to spend our whole life is physically and emotionally fit for him or not. Deciding on a type helps us a lot in finding someone like us in a crowd of millions. This way you can find your type. Meet new people. This gives you a new perspective and learning every time. Meeting new people helps you understand what kind of person you like to spend time with. Ask someone you trust If your previous relationship was not good, then before getting into a new relationship, take the opinion of a close friend or a family member. It is possible that you are not able to see what they are seeing. Do not go only by external beauty. Most people get attracted to a person by seeing his/her external beauty to get into a relationship. First of all, make a list of those qualities that you want in your partner, do not run after beauty only. Remove your filter Some people apply so many filters while choosing their partner that they get only loneliness in their share. If someone's other qualities are better than his/her height, age, education or job position, then you can expand the scope of your filter a little.

Jasmine Bhasin shifted to live-in with boyfriend, gave a big surprise to Aly Goni in the bedroom

TV couple Aly Goni and Jasmine Bhasin have been dating each other for years. Now both are in a live-in relationship. Both recently decided to shift to a new house in Mumbai. Jasmine has shown the first glimpse of her new house. Ali-Jasmine have been dating for five years Both met on the show Khatron Ke Khiladi Relationship was confessed in Bigg Boss 14 Ali Goni and Jasmine Bhasin are the most popular couple in the TV industry. Both have been dating each other for years and never even tried to hide their relationship. Recently, the couple has shifted to live-in together. They have also shared the first glimpse of their house. Ali Goni and Jasmine Bhasin have been in a relationship for the last five years. Ever since the two have confessed their relationship, they have never hidden their relationship. They always openly shower their love on each other. Now both have started living in live-in with each other before marriage. Jasmine surprises Ali Recently, Jasmine Bhasin revealed that she is now living with Ali. The two also took a house, the inside of which has been shown by the actress. She has shared a video on her YouTube channel in which she was seen decorating her house. Just a day before shifting to the house, she kept getting the interior of the house done and then finally both shifted. Jasmine got a walk-in closet made for boyfriend Jasmine Bhasin surprised her boyfriend Ali Goni. Keeping in mind her boyfriend's choice, she got his bedroom ready. She gave a classy look to Ali's bedroom. The actor liked his room very much and praised his girlfriend a lot. Not only this, he has also made a walk-in closet for Ali, seeing which the actor was stunned. Jasmine also got a walk-in closet designed for herself. How did Jasmine-Ali's love start? Jasmine Bhasin and Ali Goni met for the first time on the sets of Khatron Ke Khiladi. Since then, there was a good friendship between the two. Once Jasmine had told that she had started loving Ali in her heart. Then both came together in Bigg Boss 14 and accepted their relationship. Since then the couple is in a relationship together. Often rumors of their marriage also keep flying.

The game of cunning begins! Famous stars will become traitors in Karan Johar's show, many secrets revealed in the trailer

Famous filmmaker Karan Johar is all set to knock on OTT with a new reality show. Recently the trailer of The Traitors has been released. In this, the curtain has been lifted from the format of the show to the information about the contestants. Let us know where it has been shot and when the show is starting. The trailer of Karan Johar's show is out A glimpse of the 20 contestants of The Traitors was seen The show will start on OTT from this day Filmmaker and director Karan Johar has given one hit film after another in Hindi cinema. Apart from movies, he is also in the news for reality shows. Karan, famous for chat shows like Coffee with Karan, will soon knock on OTT with his new reality show. Recently The Traitors was announced and now its trailer has been released by the makers. Let us know what special has been seen in it. Karan Johar's upcoming show is all set to premiere on OTT with a fun format. Ever since the announcement of the show, everyone was eager to know about it. Well, now it is known how many contestants will be there and cheating will be a part of the game in the show. 20 stars seen in The Traitors Some popular stars from the film and TV world have appeared in Karan Johar's most awaited reality show The Traitors. In the trailer, Karan himself told that 20 contestants will be seen fighting among themselves. Let us tell you that the faces of all the contestants have been seen in the recently released trailer. The list of contestants of The Traitors includes 20 contestants including Apurvi Mukhija, Harsh Gurjar, Arjun Kapoor's sister Anshula Kapoor, Ashish Vidyarthi, Elnaz Norouzi, Jannat Zubair, Janvi Gaur, Jasmin Bhasin, TV actor Karan Kundra, Lakshmi Manchu, Maheep Kapoor, Mukesh Chhabra, Nikita Luther, Purav Jha, famous rapper Raftaar, Raj Kundra, Sahil Salathia, Sudhanshu Pandey, Sufi Motiwala and Urfi Javed. Where is Karan Johar's show shot? Karan Johar has also appeared as a host in Bigg Boss OTT. After this, now the filmmaker will also be seen in the role of host in his latest show The Traitors. Regarding the shooting of this reality show, let us tell you that it has been shot at the Royal Suryagarh Palace in Rajasthan. Karan Johar tells in the recently released trailer that the goal of the 20 contestants in the show is to win the title of the show. The format of The Traitors has also been guessed from the latest trailer. It was seen that Karan Johar secretly chooses some contestants as traitors in advance. The rest of the contestants will have to identify these traitors and throw them out of the show. Let us tell you that this show will start on the OTT platform Amazon Prime from June 12.

The director was about to kiss Surveen Chawla, such a cheap act happened with the actress after marriage

Surveen Chawla, who appeared in Rana Naidu, has shared her casting couch experience. She told how a director tried to kiss her after talking about her marriage and husband. Know what else the actress said. Surveen Chawla went through casting couch The director misbehaved after marriage The director was about to kiss Surveen Casting Couch has now become a common thing in the Bollywood industry. Many heroines have gone through this bad experience. Some actresses fearlessly raised their voice and gave a befitting reply to casting directors. One name among them is Surveen Chawla. Surveen Chawla, who has proved her acting skills from TV to Bollywood and web series, has gone through casting couch many times. Recently, she told how once a director was trying to kiss her, that too while talking about her marriage and husband. The director was asking about my marriage and husband. In a conversation with Houserfly, Surveen Chawla said, "Let me tell you a story about Veera Desai Road in Mumbai. After a meeting in his office cabin, he came to drop me to the gate and this was after my marriage. The strange thing was that we talked about this in the meeting too, he asked me how everything was going and what my husband does."Director tried to kiss Surveen Rana Naidu Actress Surveen Chawla further said, "We were talking only inside his cabin because his office was very big. So when I came to the door to say bye, he leaned towards me and tried to kiss me and I had to push him back. I was shocked and asked him what he was doing and I just left." This is not the first time that Surveen Chawla has talked about casting couch. Earlier also, she had told in an interview how a South director wanted to sleep with her. Also, comments were made on her body shape. Talking about the upcoming project of the actress, she will soon be seen in Rana Naidu Season 2.